राजनाथ का बयान, आतंकवाद के... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले... 11

वर्ष - 02, अंक - 26 | गाजियाबाद / गुरूवार 30 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

राजस्थान में 1 मई से शुरू होगी जनगणना

जयपुर (ब्यूरो)। राजस्थान में 1 मई से जनगणना की शुरूआत होगी। पहले नागरिक 'स्व-गणना' कर सकते हैं और उसके बाद 16 मई से मकानों की गणना की जाएगी। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रदेशवासियों के नाम संदेश जारी कर लिखा कि राज्य में 1 मई से जनगणना 2027 का शुभारंभ होने जा रहा है। 1 मई से 15 मई 2026 तक नागरिक 'स्व-गणना' कर सकेंगे एवं 16 मई से 14 जून 2026 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर मकानों की गणना करेंगे।

एमसीडी के नए मेयर बने भाजपा के प्रवेश वाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नए महापौर पद के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली। बुधवार को हुए मतदान और मतगणना में भाजपा के उम्मीदवार प्रवेश वाही ने जीत हासिल की। दिल्ली मेयर चुनाव में कुल 165 वोट डाले गए, जिनमें से भाजपा को 156 वोट मिले, वहीं कांग्रेस उम्मीदवार को 9 वोट मिले। कांग्रेस ने हाजी जरिफ को अपना उम्मीदवार बनाया था, लेकिन संख्या बल होने के कारण पहले से ही भाजपा की जीत सुनिश्चित मानी जा रही थी। एक उम्मीदवार को जीत के लिए न्यूनतम 137 वोटों की जरूरत थी। प्रवेश वाही रोहिणी ई वार्ड से तीन बार के पार्षद हैं। वर्तमान में वे एमसीडी सदन में नेता सदन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

जलवायु जोखिमों को मुख्य निर्णयों में शामिल करें : पीयूष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को यहां कहा कि कंपनियों के निदेशक मंडल को जलवायु जोखिमों को अपने मुख्य निर्णयों में अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए। गोयल यहां जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित डिजिटल विश्लेषण प्लेटफार्म 'क्लाइमेट रेजिलिएंस एनालिटिक्स एंड विजुअलाइजेशन इंटेलिजेंस सिस्टम' (क्रैविस) के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि थे। इस प्लेटफॉर्म के अनुमान के अनुसार, त्वरित जलवायु परिवर्तन के कारण 1981-2010 के जलवायु आधार (बेसलाइन) की तुलना में अगले दो दशकों में भारत में प्रति वर्ष अतिरिक्त 15 से 40 अत्यधिक गर्म दिन देखे जा सकते हैं। कई क्षेत्रों में असामान्य रूप से गर्म रातों में भी सालाना 20 से 40 दिनों की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री ने किया गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

यूपी को मिली 594 किमी लंबी विकास की नई लाइफलाइन

हरदोई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के मल्लावां में देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे का भव्य लोकार्पण किया। करीब 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बना यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट प्रदेश की कनेक्टिविटी और अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबा, 6-लेन (भविष्य में 8-लेन तक विस्तारित) एक्सेस-नियंत्रित ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर है। यह परियोजना 12 जिलों और 519 गांवों को सीधे जोड़ते हुए पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच दूरी को काफी कम कर देगी। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से मेरठ से प्रयागराज की यात्रा अब लगभग 6 घंटे में पूरी की जा सकेगी, जो पहले काफी अधिक समय लेती थी।

एक्सप्रेसवे के किनारे 12 औद्योगिक गलियारे (इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक क्लस्टर) विकसित किए जाएंगे, जिससे निवेश, रोजगार और व्यापार के नए अवसर पैदा होंगे। पीएम मोदी ने इसे 'यूपी के विकास की नई लाइफलाइन' बताते हुए कहा कि यह परियोजना प्रदेश की आर्थिक ताकत को कई गुना बढ़ाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस एक्सप्रेसवे का नाम 'गंगा' पर रखना विकास और सांस्कृतिक विरासत के संतुलन को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि 'जैसे मां गंगा हजारों वर्षों से भारत की जीवन रेखा रही हैं, वैसे ही यह एक्सप्रेसवे आधुनिक भारत में यूपी के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा।' अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के मतदान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है और लोग भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने इसे भारत के मजबूत लोकतंत्र का प्रतीक बताते हुए जनता का आभार जताया।

36,000
करोड़ की लागत

594
किलोमीटर लंबा

आज हम पूरे देश में नए भारत का दर्शन कर रहे हैं : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिसंबर 2021 में पीएम मोदी ने इस एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखी थी और तय समयसीमा में इसे पूरा करने का विजन दिया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न सिर्फ आवागमन को आसान बनाएगी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। गंगा एक्सप्रेसवे केवल यातायात के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। शाहजहांपुर के जलालाबाद में 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई गई है, जहां आपात स्थिति या युद्ध के समय लड़ाकू विमान उतर और उड़ान भर सकेंगे। यह सुविधा भारतीय वायुसेना की रणनीतिक क्षमता को भी मजबूत करेगी।

किसे कितना देना होगा टोल टैक्स

टोल टैक्स (प्रति किमी)

दो/तीन पहिया, ट्रैक्टर: ₹1.28
कार/जीप/वैन: ₹2.55
हल्के वाणिज्यिक वाहन: ₹4.05
बस/ट्रक: ₹8.20
भारी मशीनरी: ₹12.60
मल्टी-एक्सल वाहन: ₹16.10

दिल्ली-एनसीआर और पूर्वांचल को मिलेगा सीधा लाभ

पीएम मोदी ने कहा कि यह एक्सप्रेसवे दिल्ली-एनसीआर की संभावनाओं को और मजबूत करेगा और पूरे यूपी को एक छोर से दूसरे छोर तक जोड़ देगा। इससे पश्चिमी यूपी, मध्य यूपी और पूर्वांचल के बीच आर्थिक और सामाजिक संपर्क तेज होगा। गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के एक नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। यह परियोजना न सिर्फ यात्रा को आसान बनाएगी, बल्कि निवेश, उद्योग और रोजगार के नए द्वार भी खोलेगी।

ट्रेन के जनरल कोच में लगी आग, यात्रियों में हड़कम्प

भरतपुर (एजेंसी)। राजस्थान के धौलपुर में बुधवार सुबह दुर्ग (छत्तीसगढ़) से लुधियाना (पंजाब) जा रही नॉन-स्टॉपेज ट्रेन नंबर 15549 के जनरल कोच के ब्रेक पेडल में आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया।

आग की जानकारी होने के बाद रेलवे स्टेशन के आउटर पर ट्रेन के रुकते ही यात्रियों ने अपनी जान बचाने के लिए सामान सहित ट्रेन के डिब्बे से छलांग लगाना शुरू कर दिया। इससे अफरा-तफरी मच गई। हालांकि स्टेशन कर्मचारियों की सजगता से एक बड़ा हादसा टल गया।

रेलवे सूत्रों ने बताया कि पॉइंट्स मैन ने सुबह करीब छह बजे धुआं और आग निकलते देख तुरंत हरी झंडी की जगह लाल झंडी दिखाकर ट्रेन को रोकने का इशारा किया। इसकी सूचना तत्काल स्टेशन मास्टर और इंजीनियरों को दी गई। ट्रेन को स्टेशन के बाहरी क्षेत्र में रुकवाया गया और ट्रेन में मौजूद अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग बुझाई गई। बाद में कोच के ब्रेक पेडल की मरम्मत के बाद करीब साढ़े छह बजे ट्रेन को रवाना किया गया।

केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट का नोटिस

● ईडी ने दायर की थी याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को ईडी के समन से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी। दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन की अवहेलना मामले में 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया। बुधवार को मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ईडी की याचिका पर अरविंद केजरीवाल को नोटस जारी किया। ईडी ने केजरीवाल पर पूछताछ के लिए जारी समन की अवहेलना का आरोप लगाते हुए राऊज एवेन्यू कोर्ट में शिकायत दायर की थी।

हालांकि, निचली अदालत ने केजरीवाल को बरी कर दिया था।

अदालत ने माना था कि उपलब्ध सबूत उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। यह फैसला अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने सुनाया था। इसी फैसले को ईडी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। ईडी का आरोप था कि केजरीवाल ने अलग-अलग तारीखों पर जारी पांच समन के बावजूद एजेंसी के सामने पेशी नहीं दी। एजेंसी का कहना था कि एक उच्च पद पर बैठे व्यक्ति की ओर से समन की अवहेलना गलत उदाहरण पेश करती है, इसलिए इस मामले में कार्रवाई जरूरी है। इसमें यह भी आरोप लगाया गया था कि केजरीवाल ने बेतुके बहाने बनाए और जान-बूझकर जांच में शामिल न होने के लिए आधार तैयार किए।

वहीं, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई मामले में भी बुधवार को सुनवाई हुई। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कुछ प्रतिवादियों की ओर से जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर मामले की सुनवाई को 4 मई तक टाल दिया। जस्टिस शर्मा ने कहा कि कुछ प्रतिवादियों ने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। इसे शनिवार तक पूरा कर लिया जाए।

भारत-केन्या में अपनी मुद्राओं में व्यापार करने पर मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफ्रीका क्षेत्र में भारत के एक महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार के रूप में उभर रहे केन्या के साथ नैरोबी में हुई बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग की समीक्षा की। दोनों देशों ने इसे और विस्तृत एवं मजबूत बनाने के अलावा अपनी मुद्राओं में व्यापार करने की संभावनाओं पर भी पर चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बुधवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि केन्याई बैंकों ने भारतीय बैंकों के साथ विशेष रुपये पर आधारित वोस्त्रो खाते (एसआरवीए) खोले हैं, और इस व्यवस्था का अधिक उपयोग द्विपक्षीय लेनदेन को सुगम बना सकता है। बैठक में स्थानीय मुद्रा निपटान (एलसीएस) तंत्र अपनाने की

संभावना पर भी चर्चा की गई।

केन्या के लिए भारत एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा है और दोनों के बीच व्यापार बढ़कर 4.31 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। बैठक में दोनों देशों ने व्यापार और निवेश संबंध मजबूत करने पर बातचीत की। इस दौरान उभरते क्षेत्रों में क्षेत्रीय सहयोग पर विचार-विमर्श किया गया। इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र में, ऑटोमोबाइल, मशीनरी और निर्माण उपकरणों के निर्यात को बढ़ाने के अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

ईरान की घेराबंदी जारी रखें: ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच बात ठप होने के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रशासन को ईरान की घेराबंदी जारी रखने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, व्हाइट हाउस में शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के साथ हुई बैठक में ट्रंप ने ईरान की अर्थव्यवस्था और तेल निर्यात पर दबाव बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया है। इसके तहत ईरानी बंदरगाहों से होने वाली जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह रोकने की रणनीति अपनाई गई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप वर्तमान में अपनी इस मांग को छोड़ने के पक्ष में नहीं हैं कि ईरान कम से कम 20 वर्षों के लिए अपने परमाणु संवर्धन

को स्थगित करने की शपथ ले और उसके बाद भी कड़े प्रतिबंधों को स्वीकार करे। ट्रंप ने अपने सहयोगियों से कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और परमाणु वार्ता को बाद की वार्ताओं के लिए छोड़ने का ईरान का तीन चरणों वाला प्रस्ताव यह साबित करता है कि ईरान नेक नीयत से बातचीत नहीं कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अन्ना केली ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध में अपने सैन्य उद्देश्यों को पूरा कर लिया है।

राजा रघुवंशी हत्या मामला:

सोनम को मिली जमानत

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय की एक स्थानीय अदालत ने सोनम रघुवंशी को जमानत दे दी। सोनम रघुवंशी मई 2025 में अपने पति, इंदौर निवासी ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी की हत्या की मुख्य आरोपी है। अदालत ने जमानत देते हुए कहा कि पुलिस उन्हें गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराने में विफल रही थी। विशेष लोक अभियोजक के.सी. गौतम ने बताया कि शिलांग की अतिरिक्त उपायुक्त (न्यायिक) की अदालत ने आदेश पारित करते हुए आरोपी को 50 हजार रुपये का जमानत बांड और इतनी ही राशि की जमानत पेश करने का निर्देश दिया। सोनम को अदालत के अधिकार क्षेत्र में रहने और आगामी सुनवाईयों के दौरान अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया। साथ ही, आरोपी को सबूतों या गवाहों के साथ छेड़छाड़ न करने का भी निर्देश दिया गया।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत आने वाले प्रेस इन्फॉरमेशन ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक यूनिट ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 12.50 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है।

पीआईबी फैक्ट चेक ने कहा कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ऐसा कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि सोशल

मीडिया पर प्रसारित हो रहा ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का दावा करने वाला आदेश फर्जी है। है। पीआईबी फैक्ट चेक ने नागरिकों से यह भी आग्रह किया गया कि वे ऐसी जानकारी की पुष्टि केवल आधिकारिक स्रोतों से ही करें और अपुष्ट दावों को साझा करने से बचें।

पश्चिम बंगाल विस चुनाव: दूसरे चरण में रिकॉर्ड 91.31 प्रतिशत हुआ मतदान

अब 4 मई को 5 राज्यों में मतगणना का इन्तजार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। चुनाव आयोग द्वारा बुधवार को शाम 6 बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 91.31 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो लोकतांत्रिक भागीदारी का एक मजबूत संकेत माना जा रहा है। दिन भर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं और लोगों ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अब सभी को चार मई का इंतजार है, जिस दिन प. बंगाल के साथ-साथ असम, केरल, तमिलनाडू और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के नतीजे घोषित होंगे।

प. बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा, केरलम में कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके की जीत के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प. बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के साथ ही पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हो गए। इसके साथ ही विभिन्न एग्जिट पोल भी सामने आए। प. बंगाल में छह में से पाँच में से चार एग्जिट पोल में भाजपा की जीत के आसार जताए गए हैं। तमिलनाडु के पाँच में से चार एग्जिट पोल ने डीएमके की जीत की संभावना जताई। इसके अलावा असम में सभी एग्जिट पोल ने भाजपा की जीत बताई। केरल में लेफ्ट को झटका देते हुए कांग्रेस की साझेदारी वाले यूडीएफ की जीत की संभावना जताई गई। पुडुचेरी में भी भाजपा नीत राजग को जीत मिलती दिख रही है। ये एग्जिट पोल सिर्फ अनुमान मात्र हैं। चुनावों में जीत-हार की सही जानकारी चार मई को मतगणना के बाद ही पता चलेगी। बता दें कि इससे पहले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में एग्जिट पोल गलत साबित हो चुके हैं।

तमिलनाडु में कुल सीटें 234, बहुमत-118

एग्जिट पोल	डीएमके	एडीएमके	अन्य
टीवीके+पीपल्स पल्स	125-145	65-80	20-13
मैट्रिज	122-132	87-110	10-18
जेवीसी-टीएन	75-95	128-147	8-15
पी-मार्क	125-145	65-85	17-27
पीपल्स इन्साइट	120-140	60-70	30-40

प. बंगाल: कुल सीटें 294, बहुमत-148

एग्जिट पोल	तृणमूल	भाजपा	अन्य
पीपुल्स पल्स	178-189	95-110	1-4
मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
प्रजा पोल	100	177	17
चाणक्य स्ट्रेटजी	130-140	150-160	6-10
पी-मार्क	118-138	150-175	0

त्रिपुरा में भीषण तूफान और बारिश

1,534 घर क्षतिग्रस्त, जनजीवन अस्त-व्यस्त

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश और भीषण तूफान ने राज्य के सभी आठ जिलों में भारी तबाही मचाई, जिससे 1,534 घर क्षतिग्रस्त हो गए। इस प्राकृतिक आपदा में बिजली के कई पोल और पेड़ गिर गए, जिसके कारण सड़कों पर आवागमन प्रभावित हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, कुल प्रभावित घरों में से 76 पूरी तरह नष्ट हो गए, 195 को गंभीर नुकसान पहुँचा और 1,263 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, तूफान के कारण 129 बिजली के खंभे गिर गए और दो लोग घायल हुए। अधिकारियों ने बताया कि पेड़ों के गिरने, तेज हवाओं और भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुँचा है। ऊनाकोटि जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहाँ

518 घर क्षतिग्रस्त हुए। इनमें 26 घर पूरी तरह नष्ट हो गए, 33 को गंभीर नुकसान हुआ और 459 घर आंशिक रूप से प्रभावित हुए। उत्तर त्रिपुरा में 136, धलाई में 272, सिपाहीजाला में 250 और दक्षिण त्रिपुरा में 236 घरों के क्षतिग्रस्त होने की खबर है। इस बीच, भारत मौसम विभाग ने त्रिपुरा के लिए और अधिक अनिश्चित मौसम की चेतावनी जारी की है।

ई-रिक्शा से वोट डालने पहुंचीं महुआ मोइत्रा, बोलीं— लोकतंत्र बचाने की लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। महुआ मोइत्रा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान मतदान कर चुनाव को 'लोकतंत्र बचाने की लड़ाई' बताया। नदिया जिले के करीमपुर गर्ल्स हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मतदाताओं से बड़ी संख्या में भागीदारी की अपील की। मोइत्रा ई-रिक्शा (टोटो) से मतदान केंद्र पहुंचीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने उन्हें मोटरसाइकिल से आने की अनुमति नहीं दी थी, इसलिए उन्हें वैकल्पिक साधन का उपयोग करना पड़ा। मतदान के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उनके अनुसार, 'करीब 27 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और जो लोग सूची में हैं, वे इस बार 100 प्रतिशत मतदान करेंगे। इसी वजह से मतदान प्रतिशत काफी अधिक रहने वाला है।' उन्होंने आगे कहा कि जनता इस बार 'बदले की भावना' के साथ वोट कर रही है और केंद्र सरकार व चुनाव आयोग को जवाब देगी। मोइत्रा ने इसे सीधे तौर पर लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई बताते हुए कहा कि लोगों में भारी आक्रोश है।

जमानत के बाद भी शिलॉन्ग में ही रहना होगा सोनम रघुवंशी को

शिलांग (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर नगर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में बड़ा मोड़ सामने आया है। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को करीब 320 दिन बाद जमानत मिल गई है। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह बिना अनुमति शिलांग नहीं छोड़ सकतीं और ट्रायल के दौरान वहीं रहना होगा। मेघालय की राजधानी शिलांग की अदालत ने सोमवार को जमानत मंजूर की थी। इसके बाद मंगलवार को उनके पिता देवी सिंह शिलॉन्ग पहुंचे और जमानत की औपचारिकताएं पूरी कीं। मंगलवार शाम को ही सोनम जेल से रिहा भी हो गईं। रिहाई के बाद उन्होंने मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया और पिता के साथ वहां से चली गईं। यहां बताते चलें कि यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई थी। इस मामले में सोनम मुख्य आरोपी के तौर पर गिरफ्तार हुई थीं। अदालत ने चौथी सुनवाई के बाद सोनम को राहत दी है। जमानत का सबसे बड़ा आधार गिरफ्तारी प्रक्रिया में पाई गई खामियां रहीं। बचाव पक्ष ने दलील दी कि 7 जून 2025 को गाजिपुर में गिरफ्तारी के समय आरोपों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। अदालत ने जांच के दस्तावेजों में गंभीर त्रुटियां पाईं और कहा कि यह प्रक्रिया कानून के अनुरूप नहीं थी। कोर्ट ने आर्टिकल 22(1) ऑफ द कॉन्सटिट्यूशन ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तारी के कारण बताना अनिवार्य है। ऐसा न करना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। इसी आधार पर अदालत ने सोनम को जमानत दी, लेकिन सख्त शर्तें भी लगाईं। उन्हें ट्रायल के दौरान शिलॉन्ग में ही रहना होगा और बिना अदालत की अनुमति शहर छोड़ने की इजाजत नहीं होगी। इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अब आगे की सुनवाई और ट्रायल की प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हैं।

भाजपा कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, 16 राउंड फायरिंग से दहशत

पुणे (एजेंसी)। पूना के देहूरोड इलाके में मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात एक सनसनीखेज घटना में भाजपा कार्यकर्ता रमेश रेड्डी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई और पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 9 बजे सवाना चौक पर मौजूद रमेश रेड्डी पर पहले से घात लगाए हमलावरों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने करीब 16 राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली उनके सिर में लगी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद देहूरोड क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन मौके पर पहुंच गए। किसी भी अप्रिय स्थिति को देखते हुए पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

भाई की हत्या से जोड़कर देखी जा रही वारदात

मीडिया रिपोर्ट में प्राथमिक जानकारी से खुलासा हुआ है कि रमेश रेड्डी भाजपा से जुड़े कार्यकर्ता थे। उनका नाम कुछ विवादित गतिविधियों में भी सामने आता रहा है। मटका कारोबार से जुड़े होने की चर्चा भी है, हालांकि फिलहाल यह कारोबार बंद बताया जा रहा है। इस हत्या का संबंध पिछले वर्ष उनके भाई विक्रम गुरुस्वामी रेड्डी की हत्या से भी जोड़ा जा रहा है। विक्रम रेड्डी की मौत जन्मदिन पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में हुई थी। उस मामले में आरोपी अभी जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिली है। इसके बावजूद पुलिस इस एंगल से जांच कर रही है कि क्या किसी समझौते को लेकर विवाद इस नई घटना की वजह बना।

गाजियाबाद की गौर ग्रीन सोसाइटी में भीषण आग

गाजियाबाद (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में 9वीं मंजिल से उठी लपटें 13वीं मंजिल तक पहुंच गईं और काले धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा। आग लगने की सूचना मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने फ्लैट छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। हालांकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य शुरू होने से बड़ी जनहानि टल गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी को मौके पर पहुंचकर स्थिति की निगरानी करने को कहा गया। दमकल विभाग की करीब 20 गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग बुझाने के साथ ही प्रभावित बिल्डिंग को ठंडा करने का कार्य जारी है। प्रारंभिक जांच में आग 9वीं मंजिल से शुरू होने की बात सामने आई है। आग शॉर्ट सर्किट से लगी या कोई कारण रहा अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

राजनाथ का बयान, आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को 'शर्मनाक क्लीन चिट'

अमेरिका के दबाव में पीएम मोदी के इशारे पर दिया गया बयान

नागपुर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर गंभीर आरोप लगाकर कहा कि उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई सहयोग संगठन) के सम्मेलन में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को ÷शर्मनाक क्लीन चिट÷ दे दी। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि यह रुख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस नीति का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका को संतुष्ट करने और चीन के सामने संतुलित समर्पण दिखाने की कोशिश हो रही है।

दरअसल, रक्षा मंत्री सिंह ने एससीओ सम्मेलन में कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है और अब आतंकवाद के केंद्रों को सजा से छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता या धर्म नहीं होता और किसी भी प्रकार की शिकायत—चाहे वास्तविक हो या काल्पनिक—आतंकवाद को सही ठहराने का आधार नहीं बन सकती।

रक्षा मंत्री सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और निर्देश पर दिया गया है और इस बयान से पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष रूप से राहत मिलती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है, क्या वहां भारत के खिलाफ काम करने वाले आतंकी शिविर नहीं हैं, और क्या भारत-विरोधी विचारधारा को वहां बढ़ावा नहीं मिलता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मुंबई आतंकी हमला 2008 और पहलगाम से जुड़े आतंकी हमलों की साजिश में भी पाकिस्तान से जुड़े तत्वों की भूमिका रही है।

कांग्रेस नेता ने तुलना की कि यह स्थिति जून 2020 जैसी है, जब भारत-चीन तनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। उनके अनुसार, उस समय भी चीन को ÷क्लीन चिट÷ देने का आरोप लगा था। कुल मिलाकर, कांग्रेस ने मोदी सरकार पर विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कमजोर रुख अपनाने का आरोप लगाया है, जबकि मोदी सरकार की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बंगाल चुनाव : बीजेपी के ईवीएम बटन पर टेप लगाया, सुवेंदु चोर के लगे नारे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण की 142 सीटों पर मतदान जारी है। दोपहर एक बजे तक 61.11फीसदी वोट डाले जा चुके थे। वोटिंग के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम से छेड़छाड़, मारपीट, झड़प और नारेबाजी की घटनाएं सामने आई। बीजेपी का आरोप है कि डायमंड हार्बर के फाल्टा में ईवीएम में बीजेपी के बटन पर टेप लगाकर ब्लॉक किया गया। चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा चुनाव होंगे।

फाल्टा में सुरक्षाकर्मियों ने हंगामा कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। साउथ 24 परगना जिले में बीजेपी उम्मीदवार विकास सरदार ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर उनकी कार का शीशा तोड़ने का आरोप लगाया। उनके सुरक्षाकर्मी की बंदूक छीनने की कोशिश भी की गई। वहीं भवानीपुर में सीएम ममता के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बीजेपी उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी को घेरकर टीएमसी समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए। सुवेंदु पोलिंग बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे थे। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93फीसदी मतदान हुआ है। 4 मई को रिजल्ट आएंगे।

बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में काले या सफेद टेप मिलने की शिकायत मिली है, वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी एक विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में बूथों पर ऐसी शिकायतें सामने आती हैं, तो पूरे विधानसभा क्षेत्र में ही दोबारा मतदान कराया जाएगा। आरामबाग से टीएमसी सांसद मिताली बाग व्हीलचेयर पर वोट देने पहुंची। 27 अप्रैल को मिताली बाग ने आरोप लगाया था कि चुनाव प्रचार के दौरान उनकी कार पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने हमला किया था। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लोगों की भीड़ देख साफ हो गया कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा

-बीजेपी नेता मिथुन ने डाला वोट कहा-बंगाल में बदलाव की आने वाली है बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में बुधवार को सात जिलों की 142 सीटों पर सुबह से ही मतदान जारी है और आम लोगों से लेकर मंत्री और सांसद भी वोट डालने पहुंच रहे हैं। इसी बीच अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती भी अपना वोट डालने पहुंचे और साफ किया कि इस बार बंगाल में बदलाव की बाढ़ आने वाली है। वोट देने के बाद मिथुन ने विश्वास दिलाया कि चुनाव पूरे निष्पक्ष तरीके से हो रहे हैं और सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा गया है। वोटिंग शेयर बढ़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो लोगों की भीड़ देख रहा हूं, उससे साफ है कि पहले चरण का रिकॉर्ड भी टूटेगा और वोटिंग 90 फीसदी से भी ज्यादा होगी। अगर ऐसा हुआ तो समझ लेना परिवर्तन होने वाला है, लेकिन जीत की घोषणा होने से पहले मैं कुछ नही कहूंगा क्योंकि यह नियमों के खिलाफ है। बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती भले ही इस बार चुनावी मैदान में नहीं हैं, लेकिन पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि फिलहाल वे चुनावों में हिस्सा नहीं लेंगे, लेकिन पार्टी के लिए काम करते रहेंगे। मिथुन लगातार मंचों से टीएमसी पर जमकर निशाना साध रहते रहे। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर बंगाल में दोबारा टीएमसी आ जाती है तो उनका और बाकी हिंदुओं का बंगाल में रहना मुश्किल हो जाएगा और उन्हें अपने रहने के लिए दूसरी जगह ढूंढनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अपने हालिया बयान में अभिनेता ने टीएमसी पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया था। बंगाल में मछली-मांस बंद करने के आरोपों को खारिज करते हुए मिथुन ने कहा कि देश के कई राज्य हैं, जहां मछली-मांस खाया जा रहा है। देश में विशेष और धार्मिक पशु गाय के मांस को बेचने और खाने पर पाबंदी है। किसी भी राज्य में मछली-मांस खाने पर कोई भी प्रतिबंध नहीं है। टीएमसी के पास कोई और तरीका नहीं बचा है और वे अब भ्रामक प्रचार फैलाकर जनता को परेशान करना चाहती है।

तुर्की के दुश्मन देश ग्रीस में अपनी जबरदस्त पैठ बनाने में जुटा भारत

ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट बंदरगाह भारतीय कंपनी को सौंपने की तैयारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के दोस्त देश ग्रीस से एक बड़ी खबर सामने आई है। ग्रीस का वहां बंदरगाह जो पूरे यूरोप की धड़कन कहा जाता है। अब भारत की मुट्ठी में आने वाला है। खबर है कि ग्रीस का एलेक्जेंड्रो पोलीपोट अब एक भारतीय कंपनी के अधिकार क्षेत्र में है। भारत की दिग्गज कंपनी बंदरगाह पोलीपोट को खरीदने या इसमें बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने ग्रीस सरकार के साथ बातचीत कर रही है। यह डील सिर्फ बिजनेस के लिहाज से नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक ताकत को सात समंदर पार स्थापित करने के लिहाज से बड़ी उपलब्धि है। पोलीपोर्ट की अहमियत को समझने के लिए इसकी लोकेशन बहुत जरुरी है। यह बंदरगाह बुल्गारिया, रोमानिया और यूक्रेन जैसे देशों के बिल्कुल करीब है। जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है। तब से यह पोर्ट पूरे यूरोप के लिए लाइफ लाइन बन गया है। नाटो देशों के टैंक हो, हथियार हो या फिर अनाज और गैस की सप्लाई हो सब कुछ इसी रास्ते से यूरोप के अंदर जा रहा है। और इसकारण कल तक जिस बंदरगाह को ग्रीस सरकार ने देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताकर बेचने से रोक दिया था। आज वहीं इसकी चाबी भारत को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के पीछे सबसे बड़ा एंगल चीन और तुर्की का है। ग्रीस का सबसे प्रमुख बंदरगाह पीरियस वर्तमान में पूरी तरह चीन की कंपनी कॉस्को के नियंत्रण में है। ग्रीस और बाकी यूरोपीय देश इस बात को लेकर परेशान है कि अगर उनके सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर चीन का कब्जा रहा, तब भविष्य में उनकी स्वायता खतरे में आ सकती है। भारत की एंट्री ने ग्रीस को एक भरोसेमंद विकल्प दिया है। भारत की छवि एक इसतरह के देश की है जो बिजनेस करता है लेकिन दूसरे देशों की जमीन या संप्रभुता पर कब्जा नहीं करता। वहीं तुर्की की ग्रीस से दुश्मनी किसी से नहीं छुपी और जब तुर्की पाकिस्तान का समर्थन कर रहा है। भारत का ग्रीस में होना तुर्की को बहुत खटकने वाला। भारत के लिए यह बंदरगाह एक गोल्डन गेट की तरह है क्योंकि भारत काफी समय से इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर आईएमसी पर काम कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत के सामान को अरब देशों के रास्ते सीधे यूरोप पहुंचाना है।

एलेक्जेंड्रो पोलीपोट कॉरिडोर का वहां आखिरी पड़ाव हो सकता है जहां से भारतीय माल पूरे यूरोप के बाजारों में फैल जाएगा। इससे ना सिर्फ भारत का निर्यात बढ़ेगा बल्कि स्वेज नहर जैसे रास्तों पर भारत की निर्भरता भी कम हो जाएगी। वहीं पोर्ट पर भारत का होना मतलब यूरोप की सप्लाई चेन और सुरक्षा के समीकरणों में भारत की परमानेंट सीट पक्की होगी। ग्रीस कैन रिपोर्ट्स पर जहां रूस और अमेरिका जैसे देशों की नजरें टिकी हैं। वहीं एलेक्जेंड्रो पोली में भारत की दावेदारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। यह डील भारत की उस विदेश नीति का हिस्सा है जिसमें हम सिर्फ अपने पड़ोस तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

'डिजिटल अरेस्ट' पर सख्ती: ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खाते ब्लॉक करने की तैयारी

सिम सत्यापन से लेकर बैंकिंग निगरानी तक कड़े उपाय

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर ठगी के मामलों पर अब केंद्र की मोदी सरकार ने सख्त रुख दिखाया है। इस बढ़ते खतरे को देखकर मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश कर ठगों के मोबाइल नंबर और बैंक खातों को ब्लॉक करने सहित कई कड़े कदमों का खाका तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, समस्या से निपटने के लिए दूरसंचार, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बैंकिंग तंत्र के बीच समन्वित कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय रिज़र्व बैंक जैसे प्रमुख संस्थानों को एक साथ काम करने के निर्देश देने की मांग की है, ताकि सुरक्षा उपायों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सके।

दूरसंचार क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में देखने को मिलेगा। मोदी सरकार 'बायोमैट्रिक पहचान सत्यापन प्रणाली' को अनिवार्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे फर्जी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर रोक लग सके। इसके अलावा, सिम सक्रियण से जुड़े पॉइंट ऑफ सेल (पीएसओ) एजेंटों के लिए भी कड़े सत्यापन और जवाबदेही नियम लागू किए जाएंगे।केंद्र की सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई रिपोर्ट में प्रस्ताव है कि साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध मोबाइल नंबरों और सिम कार्डों को तुरंत ब्लॉक करे। साथ ही, दूरसंचार कंपनियों को जांच एजेंसियों के साथ रियल-टाइम डेटा साझा करने के निर्देश दिए जाएंगे, ताकि अपराधियों तक तेजी से पहुंचा जा सके।

डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर भी मोदी सरकार सतर्क है। रिपोर्ट में व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म के लिए 'सिम-बाइंडिंग' और उन्नत सुरक्षा तंत्र लागू करने की बात की गई है। इसके तहत संदिग्ध कॉल्स और लंबी धोखाधड़ी वार्ताओं की पहचान कर उन्हें रोका जा सकेगा। साथ ही, स्कैम में इस्तेमाल होने वाले डिवाइस की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करने की व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। वित्तीय क्षेत्र में, मोदी सरकार ने बैंक खातों पर तत्काल कार्रवाई के लिए नई व्यवस्था सुझाई है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत संदिग्ध खातों पर अस्थायी डेबिट रोक लगाने का प्रावधान लागू किया जाएगा। इससे धोखाधड़ी के मामलों में पीड़ितों के नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम में अपराधी खुद को पुलिस या जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और जुर्माना या सुरक्षा फीस के नाम पर पैसे ठगते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में इस तरह के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है और इसका शिकार आम नागरिकों से लेकर अधिकारी और बुजुर्ग तक हो रहे हैं।

हाईकोर्ट ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ाई

-नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने आसाराम बापू की अंतरिम जमानत अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है। आसाराम की जमानत अवधि 6 मई को खत्म हो रही थी। आसाराम ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। उस प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की बेंच ने बुधवार को आसाराम की जमानत अवधि को 25 मई तक बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आसाराम की ओर से पैरवी करते हुए उनके वकील यशपाल राजपुरोहित ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाईकोर्ट उनकी अपील पर सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि आसाराम का इलाज

अभी जारी है। ऐसे में इलाज पूरा होने तक जमानत की अवधि बढ़ाई जाए। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को 29 अक्टूबर 2025 को जमानत दी थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को तब पहली बार जमानत मिली थी। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त 2025 को सरेंडर किया था। बता दें नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अप्रैल 2018 से आजीवन कारावास की सजा आसाराम काट रहा है। करीब 12 साल की कैद के बाद पहली बार 7 जनवरी 2025 को उसे मेडिकल कारणों से अंतरिम जमानत दी गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट में 29 अक्टूबर 2025 को आसाराम की सजा स्थगन और मेडिकल ग्राउंड पर जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। आसाराम की ओर से दिल्ली से आए सीनियर वकील ने पैरवी की थी। राजस्थान सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल दीपक चौधरी ने दलील रखीं। पीड़िता की ओर से एडवोकेट पीसी सोलंकी ने पैरवी की। सभी पक्षों को सुनने के बाद बेंच ने 6 महीने की जमानत दी थी। यह जमानत 6 मई 2026 को खत्म हो रही थी।

वन विकास निगम के 25 वर्ष पूर्ण, राज्य जयंती समारोह में उपलब्धियों का भव्य प्रदर्शन

सन्दीप शर्मा

देहरादून (शिखर समाचार)। उत्तराखंड वन विकास निगम के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री आवास देहरादून में राज्य जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया गया। इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

समारोह में सांसद (राज्यसभा) नवीन बंसल, विधायक कैंट सविता कपूर, विधायक लालकुआँ मोहन बिष्ट, विधायक कपकोट सुरेश गढ़िया तथा विधायक रानीखेत प्रमोद नैनवाल मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त अपर मुख्य सचिव (वन) आर. के. सुधांशु, प्रबंध निदेशक नीना ग्रेवाल, प्रमुख वन संरक्षक रंजन मिश्रा, प्रमुख वन संरक्षक कपिल लाल, वन सचिव सी. रविशंकर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। निगम के पूर्व अधिकारी, हितधारक, क्रेता तथा विभिन्न क्षेत्रों से आए कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ह्लउपवनिज खनन वन भूमि हस्तांतरण मार्गदर्शिकाह्व और उत्तराखंड वन विकास निगम हस्तपुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही निगम की उपलब्धियों पर आधारित वत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया तथा हिमकाष्ठ डिजिटल मंच का शुभारंभ किया गया, जिससे ई-नीलामी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और

सुलभ बनी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि निगम ने 25 वर्षों में वन संसाधनों के वैज्ञानिक एवं सतत प्रबंधन के साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने डिजिटल तकनीकों और पारदर्शी नीलामी प्रणाली की सराहना की तथा सरखानु क्षेत्र में मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन को बढ़ावा देने व कुमाऊँ में कार्यालय भवन स्थापित करने की घोषणा की।

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने निगम के कार्यों को रोजगार सृजन और ग्रामीण आजीविका संवर्धन में महत्वपूर्ण बताया। अपर मुख्य सचिव आर. के. सुधांशु ने आधुनिक तकनीक आधारित कार्यप्रणाली को सुशासन का उदाहरण कहा।

निगम के अनुसार लॉगिंग उत्पादन अब लगभग 2.5 लाख घनमीटर प्रतिवर्ष तक पहुंच गया है। खनन में भी वृद्धि होकर 84 लाख घनमीटर तक पहुंच चुकी है। हाल के वर्षों में राजस्व और लाभ में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

समारोह में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

92 करोड़ से राजनगर एक्सटेंशन गाजियाबाद में बनेगा भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, कार्य शुरू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा शहर के विकास कार्यों को तेजी दी जा रही है। इसी क्रम में शासन की स्वीकृति के बाद राजनगर एक्सटेंशन में 92 करोड़ 22 लाख 49 हजार रुपये की लागत से भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। कार्यदायी संस्था सी एंड डी एस, उत्तर प्रदेश जल निगम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। हाल ही में परियोजना की प्रेजेंटेशन नगर आयुक्त को दी गई, जिसमें उन्होंने कार्य में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

करीब 48 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बनने वाला यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स शहर के खिलाड़ियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसमें आउटडोर और इंडोर खेलों की व्यापक व्यवस्था की जाएगी। क्रिकेट पिच, टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, फिट इंडिया जोन, बच्चों के लिए प्ले एरिया तथा वॉकिंग और जॉगिंग ट्रैक का निर्माण होगा। वहीं इंडोर गेम्स में बैडमिंटन, बास्केटबॉल, जिम्नास्टिक, जूडो, कबड्डी, शूटिंग, सॉफ्टबॉल, स्विमिंग, ताइक्वांडो, योग सहित लगभग 30 खेलों की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स न केवल खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और बेहतर अवसर प्रदान करेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए सामाजिक मेलजोल का भी प्रमुख केंद्र बनेगा। परियोजना को पर्यावरण अनुकूल मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें हरित तकनीकों और संसाधनों का उपयोग किया जाएगा। सभी वर्गों के लोगों के लिए यह परिसर सुलभ और समावेशी होगा।

परिसर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था के साथ एक भव्य भवन का भी निर्माण किया जाएगा। इसमें बैंक्वेट और पार्टी लॉन, ओपन कैफेटेरिया (लगभग 60 सीट क्षमता), गेस्ट रूम, बोर्ड गेम रूम, योग कक्ष और चिकित्सीय सुविधा के लिए क्लिनिक की व्यवस्था होगी। यह दो मंजिला भवन खिलाड़ियों और आगंतुकों के लिए सुविधाजनक रहेगा।

बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने सभी अधिकारियों को 15 माह की निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ परियोजना पूर्ण करने के निर्देश दिए। भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण से गाजियाबाद की पहचान एक उभरते खेल केंद्र के रूप में मजबूत होगी और शहर के खिलाड़ियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

लोकनृत्य प्रतियोगिता हमारी संस्कृति को अभिव्यक्त करने का माध्यम : अनन्या गर्ग

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर छात्रों के बीच नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। आयोजित प्रतियोगिता में आजाद, भगत, नेहरू और पटेल सदनों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रत्येक सदन ने एक विशिष्ट भारतीय लोकनृत्य शैली प्रस्तुत कर सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक दिखाई। आजाद सदन ने गरबा, भगत सदन ने घूमर, नेहरू सदन ने बिहू तथा पटेल सदन ने मणिपुरी नृत्य की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा, संगीत और भाव-भंगिमा के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में अतिथि आशीष रुधियाल और तनवीर सागर ने सभी प्रस्तुतियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में भगत सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नेहरू सदन द्वितीय और पटेल सदन तृतीय स्थान पर रहा। विद्यालय की उप प्रबंधक अनन्या गर्ग ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि लोकनृत्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक राजीव गर्ग, उप प्रधानाचार्य क्षितिज श्रीवास्तव, कपिल मित्तल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

व्यापारी बोले: शहर में हो पार्किंग, अंबेडकर चौक पर लेफ्ट साइड फ्री, प्रमुख चौराहों पर रेड लाइट की व्यवस्था

हापुड़ (शिखर समाचार)। व्यापारियों और पुलिस सुरक्षा प्रकोष्ठ की मासिक बैठक में शहर की ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था को लेकर अहम मुद्दे उठाए गए। व्यापारियों ने शहर में सुव्यवस्थित पार्किंग की कमी को जाम की प्रमुख वजह बताते हुए तत्काल समाधान की मांग की।

बैठक में संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित अग्रवाल छावनी वाले ने कहा कि शहर में कहीं भी सुनियोजित पार्किंग व्यवस्था नहीं है, जिससे आम लोगों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि अतरपुरा चौपला स्थित पालिका मार्केट में पार्किंग की व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जिससे बाजार क्षेत्र में यातायात दबाव कम होगा।

इसके साथ ही व्यापारियों ने अंबेडकर तिराहा पर बैरीकेटिंग कर लेफ्ट साइड को फ्री रखने, तथा शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक नियंत्रण के लिए रेड लाइट लगाए जाने की मांग रखी।

उनका कहना था कि इन उपायों से ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होगी और जाम की समस्या में कमी आएगी।

एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों के अंदर और बाहर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा उन्हें 24 घंटे चालू रखने का आह्वान किया। बैठक में सीओ ट्रैफिक राहुल, संयुक्त हापुड़ उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष ललित अग्रवाल छावनी वाले, महामंत्री संजय अग्रवाल, सोनू बंसल, गुलशन त्यागी, दीपक बंसल और गौरव गोयल सहित कई व्यापारी उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों पर सख्ती, सीएम डैशबोर्ड सुधारने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार) सहारनपुर मंडल के आयुक्त एवं जनपद के नोडल अधिकारी डॉ. रूपेश कुमार की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जनपद के विकास कार्यों, निर्माण परियोजनाओं और सीएम डैशबोर्ड की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने सीएम डैशबोर्ड में बी, सी और डी ग्रेड वाले विभागों के प्रदर्शन पर असंतोष जताया और सुधार के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, नियोजन, जिला पंचायतीराज, पर्यटन, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, लोक निर्माण विभाग और एनआरएलएम को रैंकिंग सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा गया। बैठक में 14 विलंबित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इनमें राजकीय प्रक्षेत्र लोई के ब्लॉकों का सुदृढ़ीकरण, स्वामी कल्याण देव राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में पंचकर्म इकाई, पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल, पुरकाजी जलापूर्ति योजना, पानीपत-खटीमा मार्ग चौड़ीकरण, ग्रामीण संपर्क मार्ग और गंगा नहर से जुड़ी परियोजनाएं शामिल रहीं। गुणवत्ता से समझौता न करने और नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। अन्य कार्यों में फैमिली आईडी अभियान, गन्ना भुगतान, फार्मर रजिस्ट्री, स्कूलों में स्मार्ट क्लास और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा गया। लोक निर्माण विभाग को सड़कों को गड्ढा मुक्त करने और विद्युत विभाग को स्मार्ट मीटर व नियमित आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सेवाओं में सभी सीएचसी-पीएचसी पर डॉक्टरों की उपस्थिति और मरीजों के साथ बेहतर व्यवहार सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक के बाद मंडलायुक्त ने चौधरी चरण सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। परियोजनाओं की प्रगति 51 और 55 प्रतिशत बताई गई। बैठक में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण, विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष प्रणता ऐश्वर्या, अपर जिलाधिकारी गजेंद्र कुमार व संजय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील कुमार तेवतिया सहित अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने सभी निदेशों के पालन का आश्वासन दिया।

किसान मजदूर संगठन ने डीएम से की मुलाकात, समस्याएं रखीं

शामली (शिखर समाचार)। शामली में किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिलाधिकारी आलोक यादव से मुलाकात कर किसानों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। हाल ही में कार्यभार संभालने वाले जिलाधिकारी से हुई इस बैठक में जिला अध्यक्ष ठाकुर लाखन राणा समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सिंचाई, गेहूं खरीद और कृषि ऋण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों ने अपनी परेशानियां रखते हुए इन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाधिकारी आलोक यादव ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण: हरदोई से पीएम मोदी ने किया शुभारंभ, सीएम योगी का संबोधन प्रसारित

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार)। बुधवार को नरेंद्र मोदी ने जनपद हरदोई से प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजना गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ का संबोधन भी सजीव प्रसारण के माध्यम से देखा और सुना गया।

लोकार्पण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र के बहापुर ठेरा गढ़ स्याना मार्ग स्थित इंटर एक्सचेंज पर लगाए गए पंडाल में बड़ी स्क्रीन के माध्यम से आम जनमानस को दिखाया गया, जहां हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने रिमोट के माध्यम से बटन दबाकर गंगा एक्सप्रेसवे का शुभारंभ किया। यह एक्सप्रेसवे जनपद मेरठ के बिजौली ग्राम से शुरू होकर प्रयागराज तक पहुंचेगा, जिसकी कुल लंबाई 594 किलोमीटर है। इसे प्रदेश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे बताया जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से मेरठ से प्रयागराज की यात्रा, जो पहले 12 से 14 घंटे में पूरी होती थी, अब घटकर लगभग 6 से 7 घंटे में पूरी हो सकेगी। इससे आम लोगों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन का लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। एक्सप्रेसवे में सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था और लड़ाकू विमानों के लिए एयर स्ट्रिप जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के 12 जिलों से होकर गुजरती है, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में विधायक हापुड़ सदर विजयपाल आढ़ती, विधायक गढ़मुक्तेश्वर हरेंद्र तेवतिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, क्षेत्रीय अध्यक्ष विकास अग्रवाल, गढ़ नगर पालिका अध्यक्ष राकेश बजरंगी, पिलखुवा पालिका अध्यक्ष विभु बंसल, भाजपा जिलाध्यक्ष कविता माधरे, पूर्व मंत्री मदन चौहान, पूर्व विधायक कमल सिंह मलिक, जिलाधिकारी कविता मीना, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेंद्र तंवर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और हजारों की संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहें।

पत्रकारिता दिवस पर भव्य कार्यक्रम का होगा आयोजन, प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन का निर्णय

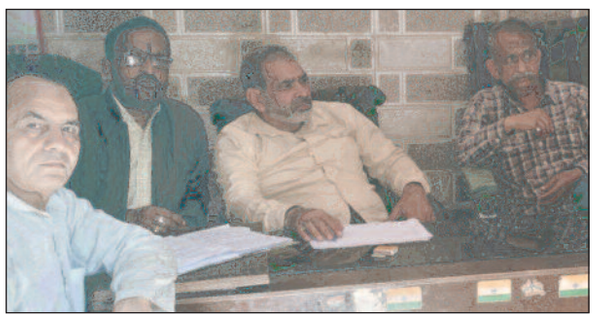

नगीना / बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन पंजीकृत की बैठक में सर्वसम्मति से 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस समारोहपूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. रतेंद्र बिश्नोई की अध्यक्षता तथा धर्मेंद्र चौधरी के संचालन में आयोजित बैठक में लिया गया।

बैठक में हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक आयोजक समिति का गठन किया गया। समिति में अध्यक्ष डॉ. रतेंद्र बिश्नोई और महामंत्री धर्मेंद्र चौधरी के नेतृत्व में मुकेश त्यागी को संयोजक तथा मनोज वाल्मीकि को सह-संयोजक बनाया गया। इसके अलावा 12 सदस्यीय कमेटी का भी गठन किया गया।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जाएंगी।

कार्यक्रम के संयोजक मुकेश त्यागी ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि हर स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

बैठक में मुकेश त्यागी, मनोज वाल्मीकि, राशिद उस्मानी, नंदकिशोर, रचित कुमार, मनोज टंडन, विकास अग्रवाल, कुंवर हर्षवर्धन सिंह, अंकुर कुमार, अनिल कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

विश्व नृत्य दिवस पर बीएसएम स्कूल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

शामली (शिखर समाचार)। बीएसएम स्कूल में बुधवार को विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, प्रबंधक छाया सिंह, चेयरमैन सूर्यवीर सिंह एवं उप-प्रधानाचार्या आशु पंडित द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कथक सहित विभिन्न आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों और भावपूर्ण अभिव्यक्तियों से सजी प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। नृत्य शिक्षिका प्रियंका शर्मा ने नृत्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह हमारी समृद्ध संस्कृति की पहचान है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राहुल चौधरी ने कहा कि नृत्य हमारी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, जो विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और सृजनात्मकता का विकास करता है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुठभेड़ के बाद गोवंश हत्या का वांछित आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर पुलिस ने गोवंश हत्या के मामले में फरार चल रहे एक शातिर आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के पास से पुलिस ने एक तमंचा, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी चांदपुर देश दीपक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 अप्रैल को बजरंग दल के नगर संयोजक सुशील कुमार द्वारा इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार सबलपुर तेली गांव के पास गोवंश के अवशेष मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि 16/17 अप्रैल की रात को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन रसूलपुर नगला निवासी अजीम उर्फ चंगा मौके से फरार हो गया था। तभी से पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अजीम क्षेत्र के गांव अकौधा के पास गंगनहर पटरी पर देखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा, जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार अजीम उर्फ चंगा एक शातिर अपराधी है और उससे पूछताछ की जा रही है, ताकि गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और पुरानी वारदातों का खुलासा किया जा सके।

नगरीय निकाय संचालित कार्यों की डीएम जसजीत कौर ने की समीक्षा

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नगरीय निकायों के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका और नगर पंचायतों द्वारा कराए जा रहे कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए आमजन को राहत देने के लिए सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर के प्रमुख चौराहों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को गर्मी में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। पेयजल योजनाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लंबित जल टंकी निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके। बैठक में पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में कैंप लगाकर अधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को योजना का लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने पात्र रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं की पहचान कर उन्हें ऋण उपलब्ध कराने तथा आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाते हुए समयबद्ध स्वीकृति और वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, जिलाधिकारी ने स्वच्छता अभियान को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कूड़ा उठान, डोर-टू-डोर कलेक्शन और कचरा निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एएसपी सुमित शुक्ला ने शामली में किया पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

शामली। (शिखर समाचार) जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला ने कोतवाली क्षेत्र के मुख्य बाजार में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गश्त के दौरान उन्होंने बाजार में मौजूद व्यापारियों, राहगीरों और आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बाजार क्षेत्र में लगातार सतर्क निगरानी रखी जाए और संदिग्ध व्यक्तियों व गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि किसी भी संभावित आपराधिक घटना को समय रहते रोका जा सके। इस दौरान यातायात व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे यातायात को सुचारु बनाए रखें, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतें। अपर पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को अनुशासन, सतर्कता और बेहतर जनसंपर्क के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। गश्त के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर जितेन्द्र सिंह व प्रभारी निरीक्षक सचिन शर्मा भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

विजयगढ़ में निकाली भगवान परशुराम की शोभायात्रा

अलीगढ़। कस्बा में परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को शोभायात्रा निकाली गई। शुभारंभ छर्रा विधायक ठाकुर रवेंद्रपाल सिंह, अनिल पाराशर, महानगर अध्यक्ष राजीव शर्मा, समाजसेवी राजकुमार वशिष्ठ, प्रताप सिंह यादव ने किया।शोभायात्रा में ब्राह्मण समाज के लोगों ने भाग लिया। यात्रा में श्रीराधा-कृष्ण की झांकी, माता काली का डोला व अन्य झांकियां निकाली गईं। यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया।शोभा यात्रा हनुमान मदिर से प्रारंभ होकर श्री ज्वाला प्रसाद इंटरकॉलेज बजरंग बाण आश्रम तक पहुंची। इस दौरान मोनू शर्मा, पं. राम किशोर शर्मा, नीतेश शर्मा, सुमित भारद्वाज, पुष्पेंद्र तिवारी, गुड्डू शर्मा, प्रशांत विश्वामित्र, आलोक शर्मा आदि मौजूद रहे।

सात ज्योतिर्लिंग का दर्शन कराने रवाना हुई भारत गौरव ट्रेन

गोरखपुर। श्रद्धालु यात्रियों को सात ज्योतिर्लिंग का दर्शन कराने के लिए गोरखपुर स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन सोमवार सुबह 9 बजे रवाना हो गई। ट्रेन में गोरखपुर से कुल 84 यात्री रवाना हुए और रास्ते में कुल 300 यात्री सवार होंगे। इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के कर्मचारियों ने यात्रियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। नगाड़े की धुन पर कई यात्री थिरकते नजर आए।आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि भारत गौरव पर्यटक ट्रेन से श्रद्धालुओं को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग (उज्जैन), द्वारकाधीश, भेंट द्वारिका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिग्नेचर ब्रिज, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग (गुजरात), त्रियंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, पंचवटी, कालाराम मंदिर, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग (गुजरात), घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग (संभाजीनगर) दर्शन का अवसर मिलेगा। यात्रा के दौरान यात्रियों की सहायता के लिए आईआरसीटीसी के मैनेजर उपलब्ध रहेंगे। यात्रा पूरी करने के बाद यह ट्रेन आठ मई को शाम 4-30 बजे वापस आएगी।

शादी का झांसा देकर दरोगा ने की छेड़खानी, पहले से है शादीशुदा

गोरखपुर। कैंट क्षेत्र की एक युवती ने गोरखनाथ थाने में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर (एसआई) पर शादी का झांसा देकर छेड़खानी, जबरदस्ती और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।कैंट थाना क्षेत्र के सिंघड़िया इलाके की रहने वाली युवती ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पिछले करीब चार माह से गोरखनाथ थाने में तैनात एसआई अंकित पांडेय से उसकी जान-पहचान थी। एसआई ने शादी का झांसा देकर उसके साथ मेल-जोल बढ़ाया, जबकि वह पहले से ही विवाहित है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने कई बार उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया लेकिन उसने शादी के बाद ही संबंध बनाने की बात कहकर इनकार कर दिया। इसके बावजूद आरोपी बार-बार उस पर दबाव बनाता रहा और बाहर घुमाने के बहाने उसे अकेले ले जाने की कोशिश करता था। जब पीड़िता को आरोपी के पहले से शादीशुदा होने की जानकारी हुई और उसने इसका विरोध किया तो एसआई ने अपने पद का रौब दिखाते हुए उसके साथ गाली-गलौज की और गंभीर धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने उसे चेतावनी दी कि यदि उसने किसी से शिकायत की तो उसे जान से मरवा देगा और उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। विवेचना में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शातिर ने काटी केबल, जिला अस्पताल में सीटी स्कैन ठप

गोरखपुर। जिला अस्पताल में सोमवार को सीटी स्कैन सेवा ठप रही, जिससे जांच कराने पहुंचे मरीजों को दिनभर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। समस्या की जड़ रविवार शाम चोरी की कोशिश से हुई। जब एक शातिर ने सीटी स्कैन मशीन का केबल काट दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।जानकारी के अनुसार, रविवार को अवकाश होने के कारण ओपीडी बंद थी। इसी का फायदा उठाकर एक शाति सीटी स्कैन कक्ष के बाहर पहुंचा और मशीन का केबल काटकर ले जाने लगा। इस दौरान परिसर में तैनात सैनिक कल्याण निगम के सुरक्षाकर्मियों की नजर उस पर पड़ गई। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुद को अस्पताल का इंजीनियर बताकर बचने की कोशिश की लेकिन संदेह होने पर सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से कटा हुआ केबल भी बरामद कर लिया। केबल क्षतिग्रस्त होने के कारण सोमवार को पूरे दिन सीटी स्कैन मशीन चालू नहीं हो सकी, जिससे मरीजों को निजी केंद्रों का रुख करना पड़ा। एसआईसी डॉ. आरपी गौतम ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरों की टीम केबल को दुरुस्त करने में लगी है और जल्द ही सीटी स्कैन सेवा बहाल कर दी जाएगी।

गर्मी से बढ़ रहा चिड़चिड़ापन, थकान और गुस्सा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) भीषण गर्मी का असर अब लोगों के व्यवहार और मानसिक स्थिति पर भी साफ दिखाई देने लगा है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी के कारण लोगों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, थकान और आलस्य की शिकायतें तेजी से बढ़ रही हैं। जिला एमएमजी अस्पताल में रोजाना 100 से 150 मरीज ऐसे पहुंच रहे हैं, जो गर्मी से जुड़ी मानसिक और शारीरिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि तेज गर्मी शरीर के साथ-साथ दिमाग पर भी असर डालती है, जिससे व्यक्ति का व्यवहार बदलने लगता है।

एमएमजी अस्पताल के मन प्रकोष्ठ के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. साकेत नाथ तिवारी ने बताया कि अत्यधिक गर्मी का सीधा असर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर पड़ता है। शरीर का तापमान बढ़ने से दिमाग को संतुलन बनाए रखने में अतिरिक्त ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है, जिससे व्यक्ति जल्दी थकान महसूस करता है और उसका धैर्य कम हो जाता है। इस कारण चिड़चिड़ापन और गुस्सा बढ़ने लगता है। उन्होंने कहा कि गर्मी में नींद पूरी न होने, डिहाइड्रेशन और शरीर में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण मानसिक स्थिति और अधिक प्रभावित होती है।

आईएमए के प्रदेश सचिव व वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. वीबी जिंदल का कहना है कि गर्मी के दौरान शरीर की सहनशीलता कम हो जाती है, जिससे छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना सामान्य हो जाता है। उन्होंने बताया कि लू के दौरान शरीर लगातार खुद को ठंडा रखने की कोशिश करता है, जिससे ऊर्जा की खपत बढ़ जाती है और व्यक्ति जल्दी थक जाता है। यही कारण है कि लोगों में आलस्य और काम करने की क्षमता में कमी देखने को मिलती है।

तापमान बढ़ने से परेशानी

शरीर का तापमान बढ़ने से मस्तिष्क पर दबाव बढ़ता है
डिहाइड्रेशन से चक्कर, थकान और चिड़चिड़ापन होता है
नींद की कमी से मानसिक संतुलन प्रभावित होता है
इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन से कमजोरी और गुस्सा बढ़ता है
अधिक पसीना आने से ऊर्जा स्तर कम हो जाता है

इस तरह से बचाव की सलाह

दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें
धूप में निकलने से बचें और सिर को ढककर रखें
हल्का और सुपाच्य भोजन करें
पर्याप्त नींद लें और शरीर को आराम दें
कैफीन और ज्यादा मसालेदार भोजन से बचें

हाथरस में 31 डिग्री रही रात, प्रदेश में सबसे गर्म, दिन का तापमान 45 पहुंचा

अलीगढ़। भीषण गर्मी की चपेट में आया हाथरस दिन और रात दोनों समय तपता रहा। 27 अप्रैल को दिन में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज होने से यह प्रदेश का चौथा सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जबकि रात में न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पहुंचने से यह उत्तर प्रदेश की सबसे गर्म रात वाला जिला बन गया। गर्मी के लिए पहचाने जाने वाले बुंदेलखंड क्षेत्र के झांसी और हमीरपुर जैसे शहर भी हाथरस से पीछे रह गए।

मौसम विभाग के अनुसार, 27 अप्रैल को बांदा (46.6), प्रयागराज (45.7) और फुर्सतगंज (44.7) सबसे गर्म रहे। हाथरस में अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह, प्रदेश स्तर पर सबसे गर्म रात हाथरस के अलावा झांसी और हमीरपुर की रही। हाथरस में न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि झांसी में 29.1 और हमीरपुर 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अलीगढ़ मौसम विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुंदेलखंड में दिन का तापमान सबसे अधिक रहता है लेकिन वहां रात में काफी गिरावट आती है, हालांकि हाथरस में इस तरह की गर्मी पहले नहीं देखी है जिसमें दोनों तापमान चरम पर हैं। 27 अप्रैल को अलीगढ़ में अधिकतम तापमान 43.6 और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अलीगढ़ में पिछले चार दिन से दिन का तापमान 43 से 44 डिग्री बना हुआ है।

सड़क किनारे खड़े युवक को कार ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत, मामला दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना जीटी रोड स्थित आरवी नॉर्थलैंड कॉलेज के सामने फ्लाईओवर पर हुई, जहां सड़क किनारे खड़े युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के आकिलपुर गांव निवासी दिनेश 18 अप्रैल की रात करीब साढ़े नौ बजे फ्लाईओवर पर पलटी हुई सीमेंट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को देखने के लिए सड़क किनारे रुके थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही ईको कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत बिगड़ने पर दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान 25 अप्रैल को दिनेश ने दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतक के भाई की शिकायत पर आरोपी कार चालक के खिलाफ कोतवाली दादरी में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एसीपी जितेंद्र कुमार के अनुसार, पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी हुई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

मेरठ रेंज में साइबर अपराधों पर सख्त कार्रवाई, 1962 मोबाइल नंबर व 4106 आईएमईआई नंबर ब्लॉक

मेरठ (शिखर समाचार)। साइबर अपराधों की रोकथाम और आर्थिक धोखाधड़ी के मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मेरठ रेंज में वर्ष 2026 के दौरान व्यापक अभियान चलाया गया। डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी के निर्देशन में 1 जनवरी 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर 1962 मोबाइल नंबर और 4106 आईएमईआई नंबर ब्लॉक किए गए। इसके साथ ही 960 म्यूल बैंक खातों को डेबिट फ्रीज कराया गया तथा 3426 शिकायतों का निस्तारण किया गया। साइबर जागरूकता बढ़ाने के लिए कुल 1310 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने जनपदवार आंकड़ों को जारी करते हुए बताया कि मोबाइल नंबर ब्लॉक करने में मेरठ में 689, बुलंदशहर में 869, बागपत में 224 और हापुड़ में 180 नंबर ब्लॉक किए गए। आईएमईआई ब्लॉकिंग में मेरठ में 1952, बुलंदशहर में 1877, बागपत में 81 और हापुड़ में 196 नंबर शामिल रहे। म्यूल खातों को डेबिट फ्रीज कराने में मेरठ में 297, बुलंदशहर में 472, बागपत में 62 और हापुड़ में 129 खाते शामिल रहे। वहीं पांच लाख रुपये या उससे अधिक धनराशि के मामलों में कुल 73 प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गईं, जिनमें मेरठ में 27, बुलंदशहर में 38, बागपत में 3 और हापुड़ में 5 मामले शामिल रहे।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण में मेरठ में 1425, बुलंदशहर में 1348, बागपत में 368 और हापुड़ में 285 शिकायतें निस्तारित की गईं। साइबर जागरूकता कार्यक्रमों के तहत मेरठ में 390, बुलंदशहर में 648, बागपत में 159 और हापुड़ में 113 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने निर्देश दिए हैं कि सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाए, मोबाइल नंबर एवं आईएमईआई ब्लॉकिंग प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति निरंतर जागरूक किया जाए। इसके साथ ही संगठित साइबर गिरोह, कॉल सेंटर आधारित अपराध तथा छोटी-छोटी धनराशि के धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों के विरुद्ध प्राथमिकता के आधार पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पीड़ितों की धनराशि वापस दिलाने के लिए न्यायालय के माध्यम से आवश्यक प्रयास करने पर भी जोर दिया गया है।

साइबर ठगी का शिकार होने पर कोई भी नागरिक राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल शिकायत दर्ज करा सकता है।

सनातन धर्म के प्रचार हेतु विशाल पदयात्रा-रथयात्रा का ऐलान, हरियाणा सीएम को सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। विश्व सनातन धर्म सूर्य सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पंचकूला स्थित उनके आवास पर भेंट कर एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा। इस दौरान अगस्त माह में प्रस्तावित भव्य पदयात्रा एवं रथयात्रा के आयोजन को लेकर चर्चा की गई और हरियाणा राज्य में आवश्यक अनुमति एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया गया।

दीपक सैनी ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार को गति देना, समाज में धार्मिक जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना है। बैठक में यात्रा की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जिसके अनुसार यह पदयात्रा-रथयात्रा अमृतसर से प्रारंभ होकर हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से होकर गुजरेगी।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में एकता स्थापित करने, राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने और सनातन संस्कृति के गौरव को जन-जन तक पहुंचाने का व्यापक अभियान है। दीपक सैनी ने महान संत एवं योद्धा गुरु गोविंद सिंह के त्याग और बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। विश्व सनातन धर्म सूर्य सेना ने देशभर के धर्मप्रेमी नागरिकों, संत-महात्माओं, युवाओं एवं सामाजिक संगठनों से इस यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान सत्य नारायण शर्मा, इसम सैनी, भोजराज छोकर, वरुण गोयल, राधेश्याम सैनी, अशोक सैनी और संदीप सैनी सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

सघन अभियान में 228 वाहनों के चालान, अतिक्रमण हटाकर यातायात किया सुचारू

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और जाम से राहत दिलाने के उद्देश्य से बुधवार को यातायात पुलिस ने व्यापक स्तर पर सघन जांच एवं अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। यातायात प्रभारी राकेश कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई शहर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों पर की गई।

अभियान के दौरान महावीर चौक से प्रकाश चौक, रोडवेज बस अड्डा, कोर्ट रोड, अंबेडकर चौराहा, झांसी की रानी चौराहा, आलू मंडी क्षेत्र और शिव चौक सहित विभिन्न स्थानों पर विशेष जांच की गई। इन क्षेत्रों में लंबे समय से सड़क किनारे अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण यातायात बाधित हो रहा था। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दुकानदारों द्वारा सड़क पर रखे सामान को हटवाया तथा अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाकर मार्ग को खाली कराया। कार्रवाई के बाद कई स्थानों पर जाम की स्थिति समाप्त हो गई और यातायात सुचारू रूप से संचालित होने लगा।

इस दौरान नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के खिलाफ सख्ती बरतते हुए कुल 228 वाहनों के चालान किए गए। साथ ही वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र सहित आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी देते हुए भविष्य में नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और व्यवस्था को स्थायी रूप से सुधारना है। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने जनपदवासियों से अपील की कि वे अपने वाहन निर्धारित स्थान पर ही खड़े करें, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, तीन सवारी न बैठाएं और वाहन चलाते समय धैर्य व सतर्कता बनाए रखें। साथ ही सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें और निर्धारित गति सीमा का पालन करें, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और शहर को जाममुक्त बनाया जा सके।

एक्सप्रेसवे पर होटल से लेकर ढाबे तक होंगे मौजूद, अस्पताल और ईवी चार्जिंग भी

लखनऊ। 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के सबसे लंबे एक्सप्रेस वे गंगा एक्सप्रेस वे का लोकार्पण करेंगे। इससे पहले 'अमर उजाला' ने एक्सप्रेस वे के एक हिस्से का रियल्टी चेक किया। एक्सप्रेस वे के शुरु होने में महज एक दिन बचा हैं और फिनिशिंग का काम दिन रात तेजी से चल रहा है। एक-एक पाकेट में 300 से ज्यादा कर्मचारी और श्रमिक रंग रोगन से लेकर टोल प्लाजा दुरुस्त करते दिखे। सुविधाओं की बात करें तो संभवत- ये देश का पहला एक्सप्रेस है जहां ढाबे से लेकर विश्वस्तरीय फूड चेन और मौटेल की सुविधाएं होंगी।

सोमवार सुबह लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर 48 किलोमीटर चलने के बाद गंगा एक्सप्रेस वे को जोड़ा गया है। करीब डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद टोल प्लाजा मिला। यहां वे साइड एमेनिटीज यानी सड़क किनारे सुविधाओं को परखा। यहां काम जोरों पर चलता मिला। रंग रोगन से लेकर खान-पान के सेंटरों को सजाया जा रहा था जो अभी खुले नहीं थे।

पांच हेक्टेयर में सुविधाओं का पूरा पैकेज

594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेस का 80 फीसदी निर्माण अडानी इंटरप्राइजेज ने किया है। अडानी इंटरप्राइजेज ने प्रयागराज से बंदायू तक करीब 464 किलोमीटर एक्सप्रेस वे तैयार किया है। शेष 20 फीसदी आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ने बनाया है। इस संबंध में अडानी इंटरप्राइजेज के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर महावीर ने बताया कि पूरे एक्सप्रेस वे पर 9 रेस्ट एरिया बनाए गए हैं। एक एरिया 5 हेक्टेयर में विकसित किया गया है। यानी 45 हेक्टेयर पर 360 डिग्री सुविधाओं की तैयारी की गई है।

मल्टीनेशनल चेन से लेकर ढाबे और होटल तक

एक्सप्रेस वे पर लखनऊ के स्वाद और चिकनकारी की झलक दिखाई देगी। जेएस फूड को सुविधाओं का जिम्मा दिया गया है। एक बड़ा डायनिंग फूड एरिया विकसित किया गया है। यहां पेट्रोल डीजल के साथ सीएनजी और ईवी चार्जिंग स्टेशन हैं। पहली बार किसी एक्सप्रेसवे में ट्रक लेन बनाया गया है। मोटेल तैयार हैं, जहां आराम के लिए कमरे उपलब्ध होंगे। स्टारबक्स जैसे बड़े ब्रांड भी होंगे, तो गंगा भोग ढाबा भी मिलेगा। मशहूर मुरथल ढाबे को लाने की भी तैयारी चल रही है। एक ट्रॉमा सेंटर भी तैयार किया गया है। एक्सप्रेस वे पर सुविधा केंद्रों में चिल्ड्रन प्ले एरिया भी है जहां बच्चों के खेलने कूदने के लिए झूला पार्क हैं।। ड्राइवरों के लिए साथ अलग रेस्ट एरिया है। हर क्षेत्र में वाहनों का सर्विस सेंटर तैयार किया गया है।

गंगा एक्सप्रेसवे के इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर (आईएमएलसी) को 12 जिलों की स्थानीय विशेषताओं को उद्योग और बाजार से जोड़ा गया है। प्रारंभिक बिंदु मेरठ के बिजौली गांव से है, जो दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़कर दिल्ली को जोड़ेगा। हापुड़ को एक्सप्रेसवे गढ़मुक्तेश्वर (ब्रजघाट) से सीधे जोड़ता है। बुलंदशहर को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का फायदा मिलेगा। अमरोहा अपने पारंपरिक ढोलक और लकड़ी के हस्तशिल्प को गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़कर वैश्विक बाजारों तक ले जाएगा। संभल के प्रसिद्ध 'हॉर्न और बोन' क्राफ्ट को सीधे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ा गया है। नए कॉलेज, अस्पताल और सर्विस सेक्टर के विस्तार के साथ बदायूं आर्थिक केंद्र बन गया है। शाहजहांपुर में 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी ने इस जिले को रणनीतिक दृष्टि से नई पहचान दी है। हरदोई में प्रस्तावित नॉलेज पार्क और टेक्सटाइल पार्क जिले को औद्योगिक पहचान देंगे। उन्नाव को ट्राई-सिटी मॉडल और औद्योगिक विस्तार में रफ्तार मिलेगी। रायबरेली में लालगंज रेलवे कोच फैक्ट्री के आसपास एंसिलरी इंडस्ट्रीज का तेज विकास होगा। प्रतापगढ़ का प्रसिद्ध आंवला वैश्विक बाजारों तक तेजी से पहुंचने को तैयार है। प्रयागराज के जुड़ने से कुंभ और माघ मेले जैसे आयोजनों में जाम और लंबी यात्रा से राहत मिलेगी।

सेक्टर 91 में बन रहा विशाल डियर पार्क, अक्टूबर 2026 तक होगा उद्घाटन

आरव शर्मा

नोएडा (शिखर समाचार)। सेक्टर 91 में लगभग 30 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित किए जा रहे डियर पार्क की प्रगति को लेकर 29 अप्रैल 2026 को उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्क के निर्माण कार्य, सुविधाओं और डिजाइन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों ने डियर पार्क के एंट्री प्लाजा के डिजाइन, हिरणों और अन्य वन्य जीवों के लिए बनाए जा रहे बाड़ों (एनक्लोजर) तथा अन्य निर्माण कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। इसके साथ ही आगंतुकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई।

पार्क में आने वाले लोगों के लिए बैटरी से चलने वाली गाड़ियां (गोल्फ कार्ट), ईवी चार्जिंग स्टेशन, शौचालय, धूप से बचाव के लिए शेड और स्वच्छ पेयजल जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि इन सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करते हुए पार्क का उद्घाटन अक्टूबर 2026 तक सुनिश्चित किया जाए। गौतमबुद्ध नगर और एनसीआर क्षेत्र में इस तरह का कोई विकसित डियर पार्क अभी तक मौजूद नहीं है। ऐसे में यह परियोजना जैव विविधता को बढ़ावा देने और वन्य जीव संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। डियर पार्क के विकसित होने से न केवल हिरणों की घटती संख्या को संरक्षित करने में मदद मिलेगी, बल्कि यह स्थान सार्वजनिक शिक्षा और मनोरंजन का भी प्रमुख केंद्र बनेगा। साथ ही, पार्क में वन्य जीवों की उपस्थिति से पारिस्थितिक संतुलन मजबूत होगा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार, इस डियर पार्क को एक स्वतंत्र इकाई (मिनी चिड़ियाघर) के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो भविष्य में क्षेत्र की एक प्रमुख आकर्षण स्थल बन सकता है।

आयुक्त मेरठ मंडल ने की मंडलीय समीक्षा बैठक, योजनाओं की प्रगति सुधारने के दिए निर्देश

मेरठ/गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आयुक्त सभागार में आयुक्त मेरठ मंडल भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर, राजस्व वाद, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं परियोजनाओं तथा सीएमआईएस के माध्यम से परियोजनाओं की मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं की प्रगति औसत से बेहतर रखी जाए और प्रत्येक योजना की रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित किया जाए। जहां कहीं प्रक्रियागत त्रुटियां या प्रगति में कमी दिखाई दे रही है, उन्हें तत्काल चिन्हित कर सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि डैशबोर्ड पर प्रदर्शित सभी योजनाएं शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं, इसलिए किसी भी योजना की प्रगति कमजोर न होने पाए। स्वास्थ्य एवं पोषण अभियान, पीएम सूर्य घर योजना, जननी सुरक्षा योजना, छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति, पोषण अभियान, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना तथा विभिन्न पेंशन योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। लू से बचाव के मद्देनजर सभी गौशालाओं में आवश्यक व्यवस्थाएं करने, चरागाह भूमि पर चारे की बुआई कराने तथा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर उपयोग में लाने को कहा गया। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में आरटीई के तहत नामांकन बढ़ाने और लापरवाही बरतने वाले विद्यालयों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्यालयों की बसों का फिटनेस सत्यापन और फैमिली आईडी योजना में प्रगति लाने पर जोर दिया गया। कर एवं करेत्तर राजस्व

की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने राजस्व संग्रहण मजबूत करने के लिए विभागों को समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। लंबित राजस्व वादों के शीघ्र निस्तारण पर बल देते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता और समयसीमा की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि सभी परियोजनाएं तय समय में पूरी हों और गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। लाभार्थीपरक योजनाओं में पारदर्शिता रखते हुए पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मंडल के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ सहित सभी जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, नगर आयुक्त (मेरठ/गाजियाबाद), अपर आयुक्त, संयुक्त विकास आयुक्त, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सौतेली बेटी की हत्या के बाद शव छुपाया, आरोपी पिता गिरफ्तार

जेवर (शिखर समाचार): क्षेत्र के आर एंड आर कॉलोनी स्थित ग्राम रोही में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपनी सौतेली बेटी की पीट-पीटकर हत्या कर दी और बाद में शव को छुपा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है।

कोतवाली प्रभारी संजय सिंह के अनुसार, सुरेंद्र निवासी ग्राम रोही ने 21 अप्रैल को अपनी 14 वर्षीय पुत्री अंजली के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि अंजली 20 अप्रैल को घर से दूध लेने दुकान गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इस पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि सुरेंद्र अंजली का सौतेला पिता है और दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ

था। शक के आधार पर पुलिस ने सुरेंद्र से सख्ती से पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि विवाद के दौरान उसने अंजली के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। घबराकर उसने शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। उसने ई-रिक्शा में शव को बोरी में भरकर गांव कानीगढ़ी के पास यमुना पुस्ता पर ले जाकर झाड़ियों में छुपा दिया। बाद में शक से बचने के लिए खुद ही बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर यमुना पुस्ता से शव बरामद कर लिया, जो सड़ी-गली अवस्था में था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सुरेंद्र पहले भी तीन शादियां कर चुका है और विवाद होने पर अपनी पत्नियों को छोड़ चुका है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

न्यायालय के आदेश की अवहेलना: जानलेवा हमले के मामले में 23 आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के गांव रामपुर फतेहपुर में करीब चार माह पूर्व बारात चढ़त के दौरान हुए जानलेवा हमले के मामले में न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने पर 23 आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

सहायक पुलिस आयुक्त जितेंद्र कुमार ने बताया कि 23 जनवरी को ग्रेटर नोएडा के जगनपुर गांव से बारात रामपुर फतेहपुर आई थी। बारात चढ़त के दौरान मिलाई को लेकर विवाद हो गया, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि इस दौरान तीन बुजुर्गों समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों पर लाठी-डंडों से हमला किया गया, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की ओर से 35 नामजद तथा 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया गया था। पुलिस द्वारा लगातार दबिश दिए जाने के बावजूद कई आरोपी अब तक न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए।

पुलिस के अनुसार बलवीर, तेजपाल, सतबीर, जगन, मदन, कृष्ण, वीर, राजीव, राजू, प्रीत, विनीत, सोनू, मोनू, सतीश, गौरव, राजेंद्र, सौरव, अभिषेक, तनिष्क, आशुतोष, नीरज, लाला उर्फ राजकुमार और अनु उर्फ अरुण अभी तक न्यायालय में पेश नहीं हुए हैं। इसी के चलते न्यायालय के आदेश की अवहेलना का मामला दर्ज करते हुए सभी 23 आरोपियों के खिलाफ कोतवाली दादरी में अलग से प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है और शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

ओलंपियाड में सेंटआरसी का परचम, क्षेत्रीय स्तर पर छात्रों ने जीते स्वर्ण पदक

शामली। (शिखर समाचार) सेंटआरसी विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में लायंस ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल ने स्वर्ण पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेना ही सफलता की पहली सीढ़ी है और निरंतर परिश्रम व समर्पण से ही विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानाचार्या उजमा जैदी ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के अनेक विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

बाल अपचारी वंश गिरफ्तार, पहले से दर्ज मुकदमे में थी तलाश

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। थाना रतनपुरी क्षेत्र के ग्राम टोडा निवासी बाल अपचारी वंश पुत्र अजय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ थाना खतौली में मुकदमा संख्या 128/2026 पूर्व से ही दर्ज था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। गिरफ्तारी की कार्रवाई पुलिस टीम द्वारा की गई, जिसमें उप निरीक्षक अनिल तोमर, बाल कल्याण अधिकारी मनीष कुमार और कांस्टेबल रिंकू सिंह शामिल रहे। कोतवाल दिनेशचंद्र बघेल ने बताया कि आरोपी को पकड़कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है और संबंधित तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विवेक विश्वविद्यालय बिजनौर में बीवीएससी एंड एएच कोर्स का होगा संचालन

बिजनौर (शिखर समाचार)। शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए विवेक विश्वविद्यालय, बिजनौर अब बैचलर ऑफ वेटरिनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी (बीवीएससी एंड एएच) कोर्स का संचालन करेगा। अब तक उत्तर प्रदेश में यह कोर्स मुख्य रूप से सरकारी विश्वविद्यालयों तक सीमित था, जिससे सीमित सीटों के कारण अनेक छात्र प्रवेश से वंचित रह जाते थे। ऐसे में निजी क्षेत्र में इस कोर्स की शुरूआत प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए बड़ा अवसर साबित होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, सभी प्रवेश नीट की मेरिट के आधार पर किए जाएंगे। इस प्रतिष्ठित कोर्स के संचालन के लिए वेटरिनरी काउंसिल ऑफ इंडिया ने विश्वविद्यालय को अनुमति प्रदान की है, जो संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, संसाधनों और मानकों पर मुहर मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि चिकित्सा क्षेत्र में एमबीबीएस के बाद बीवीएससी एंड एएच देश के सबसे अधिक मांग वाले प्रोफेशनल कोर्सेज में शामिल है। इस क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। पशु चिकित्सक, पशुपालन, डेयरी, पोल्ट्री, अनुसंधान तथा सरकारी सेवाओं में प्रशिक्षित युवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है।

अमित गोयल , कुलाधिपति

विवेक विश्वविद्यालय द्वारा इस कोर्स की शुरूआत से न केवल बिजनौर और आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को अपने जिले में ही उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह कदम पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी सहायक सिद्ध होगा। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अमित कुमार गोयल ने बताया कि आधुनिक आधारभूत सुविधाएं, अनुभवी फैकल्टी और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कोर्स में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

कांग्रेस कार्यकताओं ने किया ग्राम चौपाल का आयोजन

जेवर (शिखर समाचार): जेवर क्षेत्र के गांव चांचली में बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) कार्यकताओं द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों की विभिन्न जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला रहे। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का मूल उद्देश्य समाज के हर वर्ग को न्याय और सम्मान दिलाना है।

दीपक भाटी चोटीवाला ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भी राजनीतिक लाभ लेने के लिए भ्रम फैलाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल कानून बनाने से नहीं, बल्कि उसे ईमानदारी से लागू करने और समाज में समान अवसर सुनिश्चित करने से संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि जेवर क्षेत्र की प्रमुख समस्याएं जैसे भूमि अधिग्रहण, एयरपोर्ट से प्रभावित किसानों का पुनर्वास, उचित मुआवजा, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य गंभीर रूप ले चुकी हैं, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय केवल उद्घाटन और दिखावे की राजनीति में लगी है।

इस अवसर पर सतपाल सिंह, मुकेश शर्मा, हरेन्द्र शर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह, धर्म सिंह, श्रुति कुमारी, बिन्नू भाटी, नीरज लोहिया, सतीश शर्मा, रघुराज शर्मा, नरेश शर्मा, रामकिशन एडवोकेट, सुनील प्रधान, अजय अत्तरी, बिजेन्द्र सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने जिला कारागार का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के निदेशों के क्रम में सचिव शिवानी रावत ने जिला कारागार गौतमबुद्धनगर का दौरा कर मासिक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जेल प्रशासन ने अवगत कराया कि वर्तमान में कारागार में 2501 बंदी निरुद्ध हैं, जिनमें महिला बंदियों के साथ तीन शिशु भी रह रहे हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि कोई भी बंदी निर्धारित सजा से अधिक अवधि तक निरुद्ध नहीं है। कारागार में बंदियों के कौशल विकास के लिए इंडिया विजन फाउंडेशन द्वारा केश सज्जा केंद्र, नृत्य कक्षा, संगीत कक्ष, चित्रकला एवं सिलाई कार्य जैसी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे बंदी समय का सदुपयोग करते हुए नए कौशल सीख सकें और रिहाई के बाद समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। निरीक्षण के दौरान सचिव ने किशोर एवं महिला बैरकों का निरीक्षण किया तथा बंदियों से उनके मुकदमों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित प्रकरणों के अभिलेखों में आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त कारागार में कार्यरत पराविधिक स्वयंसेवकों के कार्यों से संबंधित अभिलेखों का भी अवलोकन किया गया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए। सचिव ने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बैरकों में साफ-सफाई, बंदियों के स्वास्थ्य, भोजन की गुणवत्ता तथा अन्य सुविधाएं जेल नियमावली के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। साथ ही ग्रीष्मकाल को देखते हुए महिला बैरक में रह रहे शिशुओं एवं वृद्ध बंदियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक ब्रजेश कुमार एवं जेलर संजय साही सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सीओ सिटी वरुण मिश्रा का श्री सनातन ज्योतिष कर्मकांड महासभा ने किया सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। श्री सनातन ज्योतिष कर्मकांड महासभा के पदाधिकारियों ने सदर क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक (सीओ सिटी) वरुण मिश्रा से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका सम्मान किया। यह कार्यक्रम महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ज्योतिर्विद पंडित सुबोध पाण्डेय के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस दौरान पदाधिकारियों ने वरुण मिश्रा को महासभा की ओर से स्मृति चिन्ह एवं सुंदर फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। मुलाकात के दौरान सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर भी चर्चा की गई और पारस्परिक सहयोग को लेकर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर महासभा के संस्थापक प्रेम प्रकाश मिश्रा, लव कुश, प्रवीण तिवारी, सुरेंद्र द्विवेदी, ललित शर्मा, यतेंद्र शर्मा, कविता शर्मा सहित प्रदेश अध्यक्ष पंडित सुबोध पाण्डेय समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आईटीएस मोहननगर में फॉरेन लैंग्वेज सर्टिफिकेशन सेरेमनी का सफल आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहननगर में बीबीए एवं बीसीए पाठ्यक्रम के 2023ञ्च26 और 2024ञ्च27 बैच के विद्यार्थियों के लिए फॉरेन लैंग्वेज सर्टिफिकेशन सेरेमनी का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 81 विद्यार्थियों को विदेशी भाषाओं में एक वर्ष का प्रमाणन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के सभागार में पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, मुख्य अतिथि जेएनयू नई दिल्ली के प्रोफेसर (डॉ) साहिब कपूर, विशिष्ट अतिथि जेएनयू नई दिल्ली के प्रोफेसर (डॉ) अजीत कण्ण, यूजी परिसर की प्राचार्या डॉ नैन्सी शर्मा, शैक्षणिक डीन डॉ विदुषी सिंह एवं बीबीए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आदिल खान सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के पश्चात कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अपने प्रेरणादायक संदेश में प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ नैन्सी शर्मा ने अपने संबोधन में भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को बदलते समय की चुनौतियों के अनुरूप स्वयं को विकसित करने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ) साहिब कपूर ने जर्मन भाषा के महत्व पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर (डॉ) अजीत कण्ण ने फ्रेंच भाषा की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि वैश्विक स्तर पर करियर के अवसरों को बढ़ाने में विदेशी भाषाओं का विशेष महत्व है और भाषाई कौशल आज के प्रतिस्पर्धी दौर में सफलता की कुंजी बन चुके हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रोफेसर सिद्धार्थ कॉल एवं प्रोफेसर निशा बंसल द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी, अध्यापकगण, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इंदिरापुरम अग्निकांड : प्रशासन की तत्परता से टला बड़ा हादसा, 8 फ्लैट प्रभावित, जनहानि शून्य

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। 29 अप्रैल को प्रातः लगभग 8 बजे इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू, अभय खंड-2 में आग लगने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए आपदा प्रबंधन की सभी आवश्यक कार्यवाहियां शुरू कर दीं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल के नेतृत्व में अग्निशमन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान प्रारंभ किया। साथ ही पुलिस बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल तथा प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें भी घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से आग पर शीघ्र नियंत्रण पा लिया गया, जिससे संभावित बड़े हादसे को टालते हुए किसी प्रकार की

जनहानि नहीं होने दी गई, हालांकि इस घटना में 8 फ्लैट प्रभावित हुए। घटनास्थल पर पहुंचकर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने स्थिति का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को क्षति का विस्तृत आकलन करने तथा प्रभावित परिवारों को शासन की नीतियों के अनुरूप हर संभव सहायता और राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अग्निकांड के कारणों की गहन जांच कराने के भी आदेश दिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। जिलाधिकारी ने प्रभावित परिवारों से वार्ता करते हुए भरोसा दिलाया कि प्रशासन उनके साथ है और हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। साथ ही आमजन से अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करें तथा विद्युत एवं गैस उपकरणों का उपयोग अत्यंत सावधानीपूर्वक करें।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सौरभ भट्ट ने कहा कि जिला प्रशासन जनसुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करें। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि अग्निकांड जैसी स्थिति में नागरिक टोल फ्री नंबर 101 एवं 112 सहित अन्य आपातकालीन नंबरों पर तुरंत सूचना दें, जिससे समय रहते राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया जा सके। अग्निशमन विभाग की टीमें चौबीसों घंटे सातों दिन नागरिकों की सुरक्षा के लिए मुस्तैद हैं।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी सौरभ भट्ट, उप जिलाधिकारी सदर अरुण दीक्षित, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल, कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमित विक्रम, सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव सहित पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, आवासीय कल्याण संघ एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल की सियासतः सट्टा बाजार के संकेत, लोकतंत्र की असली परीक्षा

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है, जहां आगामी चुनावों को लेकर माहौल गरमाता जा रहा है। इसी बीच फलौदी सट्टा बाजार के अनुमान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल और बढ़ा दी है। इन अनुमानों के अनुसार ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को 158 से 161 सीटें मिलने की संभावना जताई जा रही है, जबकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को 127 से 130 सीटों के बीच सीमित बताया जा रहा है। कांग्रेस और वाम दलों की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर मानी जा रही है। हालांकि यह समझना बेहद जरूरी है कि सट्टा बाजार के ये आंकड़े किसी वैज्ञानिक सर्वेक्षण या ठोस जनमत संग्रह पर आधारित नहीं होते, बल्कि केवल सट्टेबाजी के रुझानों का प्रतिबिंब होते हैं। फिर भी इन अनुमानों का राजनीतिक विमर्श पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

लोकतंत्र में चुनाव केवल आंकड़ों और सीटों का खेल नहीं होते, बल्कि यह जनता के विश्वास, उम्मीदों और मुद्दों का आईना होते हैं। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में जिस प्रकार राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ा है, उसने चुनाव को और भी जटिल बना दिया है। एक ओर टीएमसी अपनी सामाजिक योजनाओं, क्षेत्रीय अस्मिता और कल्याणकारी नीतियों के दम पर सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है, वहीं बीजेपी राष्ट्रवाद, विकास और मजबूत संगठन के सहारे सत्ता परिवर्तन का सपना देख रही है।

सट्टा बाजार के अनुमान भले ही टीएमसी को बढ़त देते नजर आ रहे हों, लेकिन यह तस्वीर इतनी सीधी नहीं है। पिछले चुनावों में भी देखा गया है कि जमीन पर चल रही राजनीतिक हवा और सट्टा बाजार के रुझानों में कई बार बड़ा अंतर होता है। इसके पीछे कारण यह है कि सट्टा बाजार भावनाओं, अफवाहों और सीमित जानकारी पर अधिक निर्भर करता है, जबकि चुनाव परिणाम व्यापक जनभागीदारी और वास्तविक मतदान पर आधारित होते हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यहां की क्षेत्रीय पहचान है। ममता बनर्जी ने खुद को बंगाल की बेटी के रूप में स्थापित किया है, जो बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ स्थानीय भावनाओं को मजबूती देती है। दूसरी ओर बीजेपी ने राज्य में अपने संगठन का विस्तार करते हुए कई बड़े नेताओं और कार्यकताओं को मैदान में उतारा है, जिससे मुकाबला काफी कड़ा हो गया है।

हाल के दिनों में राज्य में राजनीतिक हिंसा, आरोप प्रत्यारोप और चुनावी रणनीतियों को लेकर लगातार खबरें सामने आ रही हैं। यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चिंता का विषय है। चुनाव का उद्देश्य जनता को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से अपनी राय व्यक्त करने का अवसर देना होता है, लेकिन जब माहौल तनावपूर्ण हो जाता है तो इसका असर मतदान प्रतिशत और परिणाम दोनों पर पड़ सकता है।

सट्टा बाजार की चर्चा इस बात की भी याद दिलाती है कि भारतीय राजनीति में अनौपचारिक सूचनाओं और अफवाहों का कितना प्रभाव है। सोशल मीडिया के इस दौर में ये रुझान और तेजी से फैलते हैं, जिससे मतदाताओं की सोच प्रभावित हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि मतदाता इन अनुमानों को अंतिम सत्य मानने के बजाय अपने विवेक और स्थानीय मुद्दों के आधार पर निर्णय लें।

राष्ट्रीय स्तर पर भी पश्चिम बंगाल के चुनाव का महत्व कम नहीं है। यह चुनाव न केवल राज्य की सत्ता तय करेगा, बल्कि 2029 के आम चुनावों की रणनीति और राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

बुद्धि को कुबुद्धि परेशान तो कर सकती है, लेकिन पराजित कभी नहीं कर सकती।

© विनय संकोची

आस्था,आधुनिकता व आत्म निर्भरता की पटरी पर दौड़ता 'नव काशी-भव्य काशी'

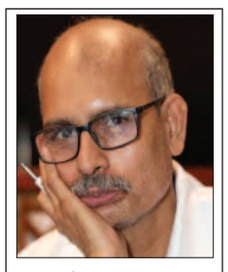

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री का वाराणसी दौरा–विकास की सौगात, गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार और अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नई गति का संकल्प...

जब भी काशी की बात होती है, तो यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि समय, संस्कृति और चेतना का अनंत प्रवाह प्रतीत होता है।यहाँ हर क्षण में इतिहास की गूंज है और हर दिशा में भविष्य की संभावनाएँ। ऐसे ही एक ऐतिहासिक पड़ाव पर एक बार फिर काशी साक्षी बनी, जब देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान विकास और विश्वास की नई इबारत को मूर्त रूप दिया।प्रधानमंत्री ने वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके साथ ही एक नई गति,नई ऊर्जा और नए भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'काशी आज केवल आध्यात्मिक नगरी नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की सशक्त धुरी बन चुकी है।यहाँ जो परिवर्तन हो रहा है,वह पूरे देश के लिए प्रेरणा है।' उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारतीय रेल का आधुनिकीकरण केवल गति बढ़ाने का प्रयास नहीं,बल्कि आम नागरिक की सुविधा,सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा हुआ अभियान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें उन करोड़ों भारतीयों के सपनों को साकार करने का माध्यम हैं,जो कम लागत में बेहतर और सम्मानजनक यात्रा चाहते हैं। यह ट्रेन 'न्यू इंडिया' की उस सोच का प्रतीक है, जहाँ विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प सर्वोपरि है।लगभग रू.6,350 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास इस बात का सशक्त प्रमाण है कि विकास अब केवल आंकड़ों की भाषा नहीं बोलता, बल्कि जनजीवन की वास्तविक आवश्यकताओं से सीधे जुड़ता है। वाराणसी में आयोजित महिला सम्मेलन में हजारों महिलाओं की सहभागिता को प्रधानमंत्री ने 'नए भारत की शक्ति' बताते हुए कहा कि नारी सशक्तिकरण ही राष्ट्र सशक्तिकरण का मूल आधार है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताया।अमृत भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के साथ काशी ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि यह नगरी केवल आध्यात्मिक चेतना की धारा नहीं बहाती, बल्कि विकास की तेज रफ्तार को भी अपने साथ लेकर चलती है।आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह ट्रेन उन यात्रियों के लिए एक नई उम्मीद है,जो सस्ती, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की आकांक्षा रखते हैं।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 'आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है। काशी इसका सबसे जीवंत उदाहरण है,जहाँ परंपरा और प्रगति एक साथ कदमताल कर रही हैं।' इस दौरे के अगले चरण में हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भी प्रधानमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास का 'ग्रोथ इंजन' बताया।लगभग 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ते हुए आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क नहीं,बल्कि अवसरों का राजमार्ग है,जो किसानों,उद्यमियों और युवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा।यदि इन सभी पहलुओं को एक साथ देखा जाए,तो स्पष्ट होता है कि यह दौरा केवल परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं,बल्कि एक व्यापक परिवर्तन की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। काशी आज उस परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है, जहाँ परंपरा और प्रगति एक-दूसरे के पूरक बनकर उभर रहे हैं।

जीवन की यात्रा,रेल की रफ्तार और काशी का साक्षी भाव–यह अनुभव तब और गहरा हो जाता है, जब मैं स्वयं को एक यात्री के रूप में देखता हूँ।रेल की खिड़की से गुजरते दृश्य केवल भौगोलिक नहीं होते वे भीतर की यात्रा को भी गति देते हैं।जब यह यात्रा अयोध्या की ओर बढ़ती है,तो मन स्वतः ही भगवान श्रीराम की मर्यादा,त्याग और आदर्शों से भर उठता है। वहीं काशी पहुँचते ही शिव की मुक्त चेतना का अनुभव होता है।गंगा के तट पर खड़े होकर यह स्पष्ट होता है कि यह यात्रा केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतर की यात्रा भी है। मणिकर्णिका घाट पर जीवन का सत्य सामने आता है–मनुष्य एक यात्री है, जो आया है और आगे बढ़ जाएगा। 'काश्यां मरणान्मुक्तिः' का शास्त्रीय वचन यहाँ अनुभव बन जाता है।इसी आध्यात्मिक यात्रा के समानांतर भारतीय रेल की विकास यात्रा भी निरंतर आगे बढ़ रही है। वाराणसी से अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन इस बात का प्रतीक है कि भारत अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिकता की ओर कितनी दृढ़ता से अग्रसर है।काशी की संध्या आरती में जब दीपों की पंक्तियाँ गंगा में तैरती हैं,तो वह दृश्य यह संदेश देता है कि जीवन का सार केवल उपलब्धियों में नहीं,बल्कि आत्मबोध में है। श्रीमद्भगवद्गीता का शाश्वत संदेश 'न जायते म्रियते वा कदाचित्' यहाँ जीवंत हो उठता है।

अयोध्या से काशी तक की यह यात्रा केवल दूरी नहीं,बल्कि उस आध्यात्मिक पथ का प्रतीक है, जहाँ राम की मयार्दा और शिव की मुक्तता एक साथ अनुभव होती है। और जब इस पूरी यात्रा को मैं एक साक्षी भाव से देखता हूँ,तो यह अनुभव होता है कि जीवन स्वयं एक 'अमृत भारत एक्सप्रेस' है -निरंतर गतिमान, सतत शिक्षाप्रद और अनवरत प्रवाहमान।प्रधानमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि काशी अब केवल अतीत की गौरवगाथा नहीं,बल्कि भविष्य की विकासगाथा भी है।यह वह भूमि है,जहाँ आस्था की जड़ें जितनी गहरी हैं,विकास की शाखाएँ उतनी ही विस्तृत हो रही हैं।

जय काशी विश्वनाथ... जय श्रीराम... भारत की यह यात्रा अनंत

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट-2025...

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है। इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल , चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभाव डालता है।अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं कि इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, रक्षा उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्रों में नौकरियां पैदा होती हैं।अत्यधिक सैन्य खर्च से किसी देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में रक्षा अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिनका उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जैसे इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से उस देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधिक सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूसरी ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यापक असर पड़ता है। सरल शब्दों में कहें तो ज्यादा पैसा सेना पर खर्च होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास योजनाओं के लिए कम धन बचता है और उस देश विशेष पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। यदि कोई देश अत्यधिक सैन्य बजट खर्च करता है तो इससे सरकारी घाटा, कर्ज और महंगाई बढ़ सकती है। इतना ही नहीं, दुनिया में एक दूसरे की देखा-देखी में हथियारों की होड़ बढ़ती है, व तनाव व युद्ध का कारण बनता है।सामाजिक

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतुः

ललित गर्ग

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ...

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं।

इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों मंव नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक ह्यट्रिगर पॉइंटह्ल के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दर्शाता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

निश्चितौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्ध गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

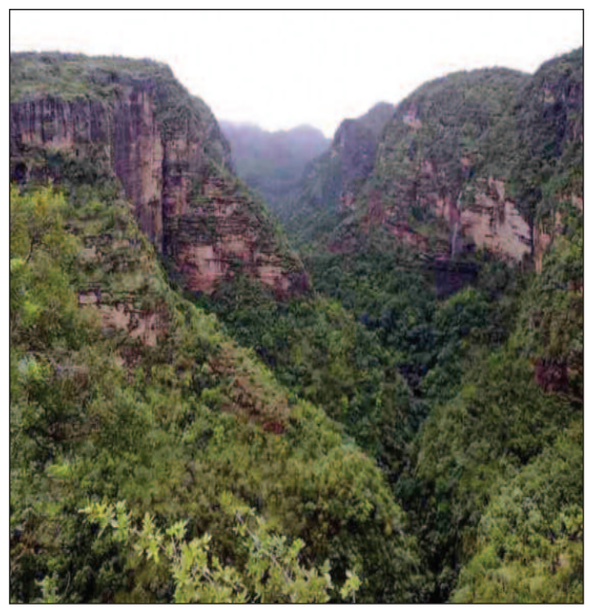

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

यूएई का ऐलान, एक मई से ओपेक और 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा

उत्पादन प्रतिबंधों के कारण यूएई असहज कर रहा था महसूस

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात ने मंगलवार को घोषणा की कि वह एक मई से तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और इसके व्यापक समूह 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा। यह कदम पिछले काफी समय से चर्चा में था, क्योंकि यूएई उत्पादन प्रतिबंधों के कारण असहज महसूस कर रहा था और पड़ोसी देश सऊदी अरब के साथ उसके संबंधों में भी खटास आ रही थी। यूएई लंबे समय से ओपेक का सदस्य रहा है। पहले 1967 में अबू धाबी अमीरात के रूप में और बाद में 1971 में यूएई के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद वह इसका हिस्सा बना था। यूएई तेजी से पश्चिम एशिया में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जो समय के साथ रियाद के कुछ रुख के विपरीत रही है। ऐसा खासतौर से तब शुरू हुआ जब सऊदी अरब ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में खुद को दुनिया के लिए खोला और विदेशी निवेश आकर्षित करने के मामले में सीधे तौर पर अमीरात को चुनौती देना शुरू किया। यूएई ने यह घोषणा अपनी सरकारी समाचार एजेंसी के जरिए की। इसमें कहा गया है कि यह निर्णय यूएई के दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक नजरिये तथा बदलते ऊर्जा परिदृश्य को दर्शाता है, जिसमें घरेलू ऊर्जा उत्पादन में तेज निवेश शामिल है। यह वैश्विक ऊर्जा बाजारों में एक जिम्मेदार, विश्वसनीय और भविष्योन्मुखी भूमिका के लिए इसकी प्रतिबद्धता को भी पुष्ट करता है। यूएई ने कहा कि संगठन से बाहर निकलने के बाद, यूएई जिम्मेदारी से काम करना जारी रखेगा मांग और बाजार की स्थितियों के अनुरूप धीरे-धीरे और नपे-तुले तरीके से बाजार में अतिरिक्त उत्पादन लाएगा। वियना स्थित तेल गठबंधन ओपेक में लंबे समय से सऊदी अरब की प्रभावी भूमिका रही है। हाल के वर्षों में अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि करने से इस संगठन की बाजार शक्ति में कुछ कमी देखी गई। सऊदी अरब और यूएई के बीच आर्थिक मुद्दों और क्षेत्रीय राजनीति, विशेष रूप से लाल सागर क्षेत्र को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। दोनों देश 2015 में यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने के लिए एक गठबंधन में शामिल हुए थे। दिसंबर के अंत में यह गठबंधन आपसी आरोपों के बीच टूट गया।

नई रेंज रोवर स्पोर्ट ऑटोबायोग्राफी लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय ग्राहकों के लिए जैगुआर लैंड रोवर ने अपनी वर्ष की नई रेंज रोवर स्पोर्ट ऑटोबायोग्राफी लॉन्च कर दी है। इस लग्जरी कार की शुरुआती कीमत 1.60 करोड़ रुपये है। कंपनी ने पहली बार इस टॉप मॉडल को भारत में ही असेंबल करने का फैसला लिया है, जिससे इसकी उपलब्धता और पहुंच पहले से बेहतर होगी। अब तक यह मॉडल पूरी तरह आयातित होता था, जिससे इसकी कीमत काफी अधिक रहती थी। इस कदम से ग्राहकों को बेहतर मूल्य और आसान उपलब्धता का लाभ मिलेगा, जो कंपनी की भारत में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह शानदार एसयूवी दो इंजन विकल्पों के साथ पेश की गई है, जिसमें 3.0 लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन शामिल हैं, जिन्हें देश में ही असेंबल किया जाएगा। हालांकि, अधिक ताकतवर 4.4 लीटर वी8 इंजन वाला संस्करण अभी भी पूरी तरह आयातित रूप में उपलब्ध रहेगा। वाहन में इलेक्ट्रॉनिक एक्टिव डिफरेंशियल, ब्रेकिंग के साथ टॉर्क वितरण प्रणाली, सभी पहियों की स्टीयरिंग, विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलित ड्राइविंग प्रोग्राम और उन्नत एयर सस्पेंशन जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं, जो बेहतर संतुलन, नियंत्रण और आराम प्रदान करती हैं। केबिन में प्रीमियम गुणवत्ता वाली चमड़े की सीटें, पूरी तरह विस्तारित चमड़े की सजावट, मालिश सुविधा और उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि प्रणाली एक शाही अनुभव देती हैं। कंपनी का मानना है कि स्थानीय असेंबली और विभिन्न इंजन विकल्प इसे अधिक ग्राहकों तक पहुंचाएंगे, जिससे भारत में लग्ज़री वाहन बाजार में कंपनी की पकड़ मजबूत होगी। बुकिंग शुरू हो गई है। बाहरी डिज़ाइन में खास पहचान देने वाले बैज, लाल रंग के ब्रेक कैलिपर्स और 22 इंच के आकर्षक मिश्रधातु पहिए इसे भीड़ से अलग बनाते हैं। इसे नए ग्रे, मोती जैसे सफेद, काले और गहरे ग्रे रंगों में उपलब्ध कराया गया है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 609, निफ्टी 181 अंक उछला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ । बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 609.45 अंकों की बढ़त के साथ ही 77,496.36 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 181.95 अंक उछलकर 24,177.65 पर रहा। आज कारोबार के दौरान वाहन और रियल्टी शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया। बीच के दौर में हालांकि मुनाफावसूली हावी होने से बाजार की तेजी पर कुछ हद तक अंकुश लग गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी एफएमसीजी में , निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो शेयरों में तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी आई , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी मेटल में बढ़त रही जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर गिरे। निफ्टी के शेयरों में आईटीसी, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया, मारुति, भारती एयरटेल, टाटा कंज्यूमर, एमएंडएम और आयशर मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही। वहीं इंडिगो, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की तेजी के साथ खुला हालांकि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। सुबह सेंसेक्स 77,245 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी-50 सुबह 504,096 पर खुला और खुलते ही 24,100 के पार चला गया। एशियाई बाजारों में भी मिश्रित कारोबार के संकेत मिले हैं। एसएंडपी एएसएक्स और कोस्पी क्रमशः 0.23 फीसदी और 0.24 फीसदी गिरा जबकि हैंग सेंग 1.25 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा।

टाटा पंच और नेक्सन का जलवा, मार्च 2026 में एसयूवी सेगमेंट में शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा कायम रहा, जहाँ कंपनी की दो एसयूवी ने बिक्री में शीर्ष स्थान हासिल किया। टाटा पंच इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल बनकर उभरा, जिसने 20,977 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। पिछले साल मार्च की तुलना में इसमें 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखी गई। दूसरे स्थान पर टाटा नेक्सन रही, जिसकी 19,810 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक है। नेक्सन अपनी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक विकल्पों के कारण ग्राहकों में काफी लोकप्रिय है। मारुति सुजुकी ने भी इस सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। मारुति ब्रेजा 16,130 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरे स्थान पर रही, हालाँकि इसमें पिछले साल के मुकाबले 3 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई। वहीं, मारुति फ्रॉन्क्स ने 15,540 यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जिसमें 14 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

सोने चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव ऊपर आये हैं। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,50,100 रुपये जबकि चांदी के भाव 2,38,350 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 693 रुपये बढ़कर 1,50,720 रुपये पर खुला। ये 1,51,527 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,49,993 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में भी बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध 1,334 रुपये बढ़कर साथ 2,38,443 रुपये पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,37,345 रुपये था। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के शीर्ष स्तर तक पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,611.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 4,608.40 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 72.98 डॉलर के भाव पर खुले जबकि पिछला बंद भाव 73.21 डॉलर था।

भारत दुनिया का आकर्षण है एक बार फिर दुनिया हमारे साथ है

डील पक्की करने अगले माह कनाडा जाएंगे उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कनाडा के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को गति देने के मकसद से वह अगले महीने कनाडा जाएंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दायरे को अंतिम रूप दे दिया गया है। 2023 में राजनयिक तनाव के कारण रुकी बातचीत फिर से शुरू हो गई है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा (आईपी) दिवस 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि चिली के अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ता प्रभारी मंत्री 12 मई को भारत का दौरा करेंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा कर रहा है। भारत अब तक 9 मुक्त व्यापार समझौते कर चुका है। इससे करीब दो तिहाई वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार तक भारत को तरजीही पहुंच मिल गई है। इसमें 38 विकसित और अमीर देश शामिल है। गोयल ने स्वीकार किया कि 6 देशों वाले गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के साथ एफटीए पर बातचीत पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण रुक गई है, लेकिन इसे बहाल करने के लिए कवायद जारी है। उन्होंने कहा कि रूस के नेतृत्व वाले यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) और साउथ अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू) के साथ हम बातचीत कर रहे हैं। एसएसीयू में दक्षिण अफ्रीका शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोयल ने घोषणा की कि दुनिया एक बार फिर हमारे साथ है। भारत दुनिया का आकर्षण है।' उन्होंने कारोबारियों और नवोन्मेषकों से 'पेटेंट, प्रोड्यूस और प्रॉस्पर' के मंत्र से बाजार खुलेपन का लाभ उठाने का आग्रह किया। खेल संबंधी सभी बौद्धिक संपदा फाइलिंग के लिए तत्काल प्रभाव से लागू तीन साल का शून्य शुल्क की व्यवस्था लागू है। इस छूट में पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाइन, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेत और पारंपरिक ज्ञान उत्पाद शामिल हैं। गोयल ने कहा कि खेल उपकरण, डिजाइन, ऐप्स, मीडिया अधिकार या पारंपरिक ज्ञान में प्रत्येक नए

विचार को तुरंत पंजीकृत किया जाना चाहिए। सरकार इसके लिए समर्थन योजना भी लाएगी, जिसका ब्योरा जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य खेल में नवाचार और व्यवसायीकरण को बढ़ावा देना है, जिसमें क्रिकेट, हॉकी, गेंदें, जिम उपकरण और सहायक उपकरण का निर्माण शामिल है।

50 से ज्यादा कंपनियां मार्च तिमाही के नतीजों का करेंगी ऐलान

वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वेदांता का प्रदर्शन रह सकता है मजबूत

नई दिल्ली।

बजाज फाइनेंस, अडाणी पावर, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, वारी एनर्जीज़ और वेदांता जैसी प्रमुख कंपनियां आज अपने मार्च तिमाही के नतीजों का एलान करेंगी। अन्य कंपनियों में एमफैसिस, फिनो पेमेंट्स बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज, जना स्मॉल फाइनेंस बैंक और फोर्स मोटर्स शामिल हैं। दलाल स्ट्रीट के विश्लेषकों का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वेदांता लिमिटेड का प्रदर्शन मजबूत रह सकता है। इसका मुख्य कारण लंदन मेटल एक्सचेंज पर एल्युमिनियम, जिंक और चांदी की अनुकूल कीमतें हैं। इन रुझानों से कारोबार क्षेत्रों में आय बढ़ने की संभावना है।विश्लेषकों ने उत्पादन लागत बढ़ने के दबाव की ओर भी संकेत दिया है, जो आपूर्ति बाधाओं के कारण बढ़ रहा है। ऐसे में प्रबंधन की मार्जिन और परिचालन दक्षता पर टिप्पणियां खास नजर में रहेंगी।

मेटल और माइनिंग क्षेत्र की यह कंपनी बुधवार को अपने वित्तीय नतीजे घोषित करेगी। बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा ट्रैक की जा रही ब्रोकरेज फर्मों का अनुमान है कि क्यू4 में वेदांता का मुनाफा बढ़ेगा। प्रॉफिट आफ्टर टैक्स में सालाना आधार पर 174 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है, जिसे बेहतर प्राप्ति और विभिन्न खंडों में परिचालन सुधार का समर्थन मिलेगा।

एमजी विंडसर ने तोड़े बिक्री के रिकॉर्ड वित्त वर्ष 2026 में बनी नंबर-1 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में एमजी मोटर्स की कारों की मांग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। बीते वित्त वर्ष 2026 में एमजी विंडसर ने कंपनी के सभी मॉडलों में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए। इस दौरान कुल 46,720 एमजी विंडसर ग्राहकों तक पहुँची, जो वित्त वर्ष 2025 में बेची गई 19,394 यूनिट्स के मुकाबले 141 प्रतिशत की भारी सालाना वृद्धि दर्शाती है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर एमजी कॉमेट ईवी रही, जिसने 10,292 यूनिट्स की बिक्री की, जो 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि है। वहीं, एमजी हेक्टर के लिए यह साल चुनौतीपूर्ण रहा, जिसकी बिक्री 42 प्रतिशत घटकर 9,003 यूनिट्स रही। एमजी जेडएस ईवी की बिक्री में भी 21 प्रतिशत की गिरावट आई, और यह 5,579 यूनिट्स के साथ चौथे स्थान पर रही। एमजी एस्टर और एमजी ग्लॉस्टर ने क्रमशः 1,212 और 119 यूनिट्स की बिक्री के साथ बड़ी गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर, एमजी मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026 में 72,925 नए ग्राहक जोड़ेएमजी विंडसर की सफलता के पीछे इसका आधुनिक डिजाइन, बेहतरीन पावरट्रेन और लंबी रेंज है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट को हब बनाने की तैयारी सरकार के साथ चल रही बात

सब कुछ ठीक रहा तो यह हब सर्दियों तक हो सकता है चालू

नई दिल्ली।

अडाणी द्वारा संचालित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईएएल) अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के लिए इसे 'हब और स्पोक' डेस्टिनेशन के तौर पर चलाने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। मामले से अवगत लोगों के मुताबिक बातचीत काफी आगे बढ़ गई। इस कदम से एनएमआईएएल को नागरिक विमानन मंत्रालय के साथ तय किए गए अपने विकास लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलने की उम्मीद है। एनएमआईएएल का लक्ष्य वर्ष 2026-27 जो उसके संचालन का पहला पूरा साल होगा, उस में 1.1 करोड़ यात्रियों को सेवा मुहैया कराना है। उसका इरादा इसे वित्त वर्ष 2028 तक बढ़ाकर 2 करोड़ तक पहुंचाना है, जो दुनिया के किसी भी हवाई अड्डे के लिए सबसे तेज बढ़ोतरी दर में से एक है। इस तरह से यह हवाई अड्डा पहले ही चरण में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर लेना चाहता है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो यह हब इस सर्दियों तक चालू हो सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दिल्ली को देश के पहले हब एयरपोर्ट के तौर पर पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके 1 जून से शुरू होने की उम्मीद है। यह राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक देश को भारतीय यात्रियों के लिए और 2047 तक पूरी दुनिया के लिए पसंदीदा एविएशन हब बनाना है। बेंगलूरु और यहां तक कि राजकोट जैसे कुछ अन्य हवाई अड्डों को भी हब बनाने पर विचार किया जा रहा है। योजना का मकसद उस 'ट्रांसफर ट्रैफिक' को वापस लाना है, जो अब तक दुबई, दोहा, लंदन, फ्रैंकफर्ट जैसे वैश्विक केंद्रों का इस्तेमाल करता रहा है। इसके बजाय वे देश के ही हवाई अड्डों का इस्तेमाल करेंगे। सरकार के कराए अध्ययन से पता चला है कि इस पूरी कवायद का उद्देश्य मौजूदा रुझान को बदलना है, जिसके तहत भारत से जाने वाले 35 फीसदी अंतरराष्ट्रीय यात्री दुबई, लंदन और सिंगापुर जैसे विदेशी शहरों से होकर गुजरते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'हब ऐंड स्पोक' मॉडल देश में छोटे शहरों

से यात्रियों को हब एयरपोर्ट तक पहुंचने और वहां से आसानी से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ने में सक्षम बनाता है। इसके लिए उन्हें अपना सामान दोबारा लेने, उसे फिर से चेक-इन करने या कस्टम्स से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ती। जब वे देश वापस आते हैं, तो यह प्रक्रिया उलट जाती है।

एशिया को ऑटो इंडस्ट्री का बादशाह बनाने में चीन जापान और भारत का बड़ा योगदान

साल 2025 में वैश्विक वाहन उत्पादन 3.9 फीसदी बढ़कर 9.64 करोड़ हो गया

नई दिल्ली।

साल 2025 में वैश्विक स्तर पर वाहनों की वृद्धि दर कहीं ज्यादा रही तो कहीं कम, लेकिन इसमें एशिया-प्रशांत विस्तार के मुख्य संचालक के तौर पर उभरा है। यह कहना है इंटरनैशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ मोटर व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स के अध्यक्ष शैलेश चंद्र का। बीजिंग मोटर शो में बातचीत में उन्होंने यह जानकारी दी। हालांकि साल 2025 में वैश्विक वाहन उत्पादन 3.9 फीसदी बढ़कर 9.64 करोड़ हो गया और बिक्री 4.7 फीसदी बढ़कर 9.98 करोड़ तक पहुंच गई, लेकिन चंद्र ने इस बात पर जोर दिया कि यह रफ्तार हर जगह एक जैसी नहीं रही। एशिया-प्रशांत ने उत्पादन में 7.6 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ इस तेजी का नेतृत्व किया जबकि यूरोप और अमेरिका में क्रमशः 0.8 फीसदी और 2.1 फीसदी की गिरावट आई। इससे जाहिर होता है कि वैश्विक वृद्धि एक साथ होने वाले सुधार के बजाय 'अलग-अलग' थी। रिपोर्ट के मुताबिक एशिया-प्रशांत ने अब उद्योग के केंद्र के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वैश्विक वाहन उत्पादन में इस क्षेत्र की 61 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी है। इसमें चीन, जापान और भारत का बड़ा योगदान है। यह क्षेत्र मांग के मामले में भी आगे हैं, जहां वाहनों की बिक्री 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ रही है और विनिर्माण के सबसे बड़े हब और खपत के बाजार, दोनों ही तौर पर इसकी दोहरी भूमिका और मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक वाहन उद्योग तकनीकी बदलावों, भू-राजनीतिक दबावों और अलग-अलग सरकारों की नीतियों के कारण नए सिरे से आकार ले रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विनिर्माता कुछ बाजारों में धीमी वृद्धि, अन्य बाजारों में कड़ी प्रतिस्पर्धा तथा व्यापारिक दबावों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, खर्च उठाने की क्षमता, ऊर्जा की कीमतों और इलेक्ट्रिफिकेशन की रफ्तार से जुड़ी अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

खाताधारक की मृत्यु के बाद बैंक को डेथ सर्टिफिकेट देना जरुरी तभी निकलेगा पैसा

ओडिशा में जितु ने मृत बहन के कंकाल को बतौर सबूत बैंक को दिखाने पहुंचा

क्योंझर।

ओडिशा के क्योंझर जिले एक व्यक्ति अपनी मृत बहन के कंकाल के अवशेष कब्र से निकालकर बैंक पहुंचा, क्योंकि उसके खाते से पैसे निकालने के अनुरोधों को नजरअंदाज कर दिया गया था। यह घटना पटना पुलिस थाना क्षेत्र के मल्लिपाशी गांव की है। बैंक ने बहन के नाम पर जमा 19,300 रुपए देने से इनकार कर दिया क्योंकि डेथ सर्टिफिकेट नहीं था। निराश और अशिक्षित जितु ने हड्डियों को ही मौत का सबूत मानकर बैंक को दिखाने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस के समझाने पर उन्होंने हड्डियां फिर से दफन कर दीं और डेथ सर्टिफिकेट बनाने की सलाह दी। जीतू मुंडा कई बार बैंक जाकर अपनी मृत बहन के खाते से पैसे निकालने की अनुमति मांग चुका था उसने बैंक को उसकी मौत की जानकारी भी दी, लेकिन कर्मचारियों ने हर बार उसका अनुरोध ठुकरा दिया।

बैंक अधिकारियों का कहना था कि लेनदेन के लिए खाताधारक की खुद मौजूदगी जरूरी है, इसलिए वे पैसे नहीं दे सकते थे। खाता धारक की मौत होने पर बैंक आमतौर पर बिना डेथ सर्टिफिकेट के पैसे नहीं देता है। डेथ सर्टिफिकेट मौत का आधिकारिक प्रमाण होता है, जो स्थानीय नगर निगम, ग्राम पंचायत या स्वास्थ्य विभाग से जारी होता है। बैंक को यह साबित करना पड़ता है कि खाता धारक की वाकई मृत्यु हो चुकी है, ताकि गलत व्यक्ति पैसे न निकाल ले। अगर मृतक ने बैंक में नॉमिनी नामित किया था, तो नॉमिनी को मुख्य रूप से तीन चीजें जमा करनी पड़ती हैं। इसमें डेथ सर्टिफिकेट, क्लेम फॉर्म और अपना पहचान पत्र शामिल होता है। आरबीआई के नियमों के मुताबिक नॉमिनी को पैसे मिल जाते हैं और बैंक को लीगल हेयर या सक्सेशन सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं पड़ती। नॉमिनी पैसे लीगल हेयर्स की ओर से ट्रस्टी की तरह लेता है। बैंक को दावा मिलने के 15 दिनों के अंदर क्लेम सेटल करना होता है। बिना नॉमिनी के लीगल हेयर्स को डेथ सर्टिफिकेट के अलावा रिलेशनशिप प्रूफ, लीगल हेयर सर्टिफिकेट या सक्सेशन सर्टिफिकेट जमा करना पड़ सकता है 1 हालांकि, आरबीआई के हालिया नियमों के मुताबिक व्यावसायिक बैंकों में 15 लाख रुपए तक के छोटे क्लेम्स के लिए दस्तावेजों में छूट दी गई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी ऑटो और रियल्टी शेयरों में खरीददारी से आयी है। इसके अलावा दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में बढ़त से भी बाजार उछला है हालांकि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। आज सुबह 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 77,245 अंक पर खुला। सुबह 9ः23 बजे यह 327.96 अंक बढ़कर 77,214.87 पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी-50 सुबह 504,096 पर खुला और खुलते ही 24,100 के पार चला गया। आज अदाणी पावर, बजाज फाइनेंस, सेमइंडिया प्रोजेक्ट्स, फेडरल बैंक, फिनो पेमेंट्स बैंक, फोर्स मोटर्स, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज, ग्रेन्यूल्स इंडिया, एचईजी, आईआईएफएल फाइनेंस सहित कई कंपनियों के तिमाही परिणाम आयेंगे जिस पर भी बाजार की नजरें होंगी। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में भी मिश्रित कारोबार के संकेत मिली हैं। एसएंडपी एएसएक्स और कोस्पी क्रमशः 0.23 फीसदी और 0.24 फीसदी गिरा जबकि हैंग सेंग 1.25 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में उछाल देखा गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति बैठक के परिणामों का इंतजार हो रहा है। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स दोनों के फ्यूचर्स में 0.16 फीसदी की बढ़त रही। वॉल स्ट्रीट के बाजार में गिरावट रही। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में 0.49 फीसदी और 0.90 फीसदी की गिरावट रही।

सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना सिनेमा जैसा

अनुभवी बल्लेबाज पुजारा ने की जमकर तारीफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी लगातार अपने आक्रामक अंदाज से सुर्खियां बटोर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने महज 16 गेंदों में 43 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, जिसने राजस्थान रॉयल्स की जीत की नींव रखी।

पुजारा ने की बड़ी तारीफ - भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को खास बताया। उन्होंने कहा- वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखना किसी सिनेमा से कम नहीं है। जिस तरह वह बिना किसी डर के हर गेंदबाज पर हमला करते हैं, वह शानदार है। उन्होंने आगे कहा- सबसे खास बात यह है कि विपक्षी टीम जानती है कि वह आक्रमण करेंगे, फिर भी उन्हें रोक पाना मुश्किल होता है। यही निरंतरता टीम को बढ़त दिलाती है।

पावरप्ले में मैच का रुख बदला - सूर्यवंशी की तेज शुरुआत ने पावरप्ले में ही मैच का रुख राजस्थान की ओर मोड़ दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया, जिससे बाद के बल्लेबाजों को आसानी से लक्ष्य का पीछा करने का मौका मिला।

चहल की शानदार गेंदबाजी - हालांकि मैच के बीच में चहल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पंजाब को मुकाबले में वापस लाने की कोशिश की। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर रन गति पर लगाम लगाई। पुजारा ने चहल की तारीफ करते हुए कहा- चहल ने जिस तरह अपनी विविधता का इस्तेमाल किया, वह शानदार था। दबाव के बावजूद उन्होंने फ्लाइट और स्पीड में बदलाव जारी रखा, जो टी20 में बेहद अहम है।

अहमदाबाद में बेंगलुरु का विजय रथ आज गुजरात रोकना चाहेगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुजरात टाईट्स और रायल चैलेंजर बैंगलुरु के बीच अहम मुकाबला आज अहमदाबाद में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के आधे चरण के बाद गुजरात टाइटंस 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ संघर्ष कर रही है, जबकि आरसीबी शानदार फॉर्म में है और 6 जीत के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

आरसीबी की ताकत- गेंदबाजी का दम - आरसीबी की सफलता में उसके तेज गेंदबाजों की बड़ी भूमिका रही है। भुवनेश्वर कुमार अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं, वहीं जोश हेजलबुड लगातार सटीक लाइन-लेंथ से दबाव बना रहे हैं। मिडिल ओवर्स में कृणाल पंड्या की विविधता भरी गेंदबाजी विरोधी टीम के लिए चुनौती बन रही है।

गुजरात की चिंता- टॉप ऑर्डर पर निर्भरता - गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी काफी हद तक उसके टॉप ऑर्डर पर निर्भर है। शुभगिन

गिल , साई सुदर्शन और जोस बटलर टीम के लिए लगातार रन बना रहे हैं। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में वाशिंगटन सुंदर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर्स अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

पिछला मुकाबला और घरेलू रिकॉर्ड - दोनों टीमों के बीच हाल ही में खेले गए मैच में आरसीबी ने 206 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था। वहीं गुजरात अपनी घरेलू पिच पर अब तक ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाई है और मोटेरा में खेले तीन में से दो मुकाबले हार चुकी है।

खिलाड़ियों पर नजर

आरसीबी के लिए विराट कोहली अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनके साथ जैकब बेथेल को ओपनिंग का मौका मिल सकता है, जो अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने हाल ही में कहा- हम अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दे रहे हैं और हर मैच को अलग मानकर खेल रहे हैं। टीम के लिए अच्छी बात यह है कि हर मैच में कोई ना कोई खिलाड़ी प्रदर्शन कर रहा है।

बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?

- यशस्वी ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने 223 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर पंजाब किंग्स के विजयी अभियान को रोक दिया। फ्रेंचाइजी के जाने-माने चेहरे जायसवाल ने अपनी 'ऑरेंज कैप' साथी खिलाड़ी और 15 साल के ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी को सौंपी। जब ब्रॉडकास्टर ने जायसवाल से पूछा, 'बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?' इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं। थोड़ा और सोच-समझकर बोलते हुए जायसवाल ने माना कि उम्र का यह अंतर उनके लिए एक अनोखी स्थिति थी। उन्होंने कहा, लेकिन हां, वह काफी छोटा है। इसलिए, सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस बारे में क्या कहूं। बेशक यह बहुत बढ़िया है। मुझे उसके साथ बैटिंग करने में बहुत मजा आया और वह बहुत शानदार खेल रहा है। इसलिए जब मैं दूसरे छोर से उसे गेंद पर जोरदार शॉट लगाते देखता हूं, तो मुझे हमेशा खुशी होती है। आईपीएल 2026 में जायसवाल और सूर्यवंशी ने मिलकर विरोधी टीमों की जमकर धुनाई की है और साझेदारी के मामले में वे सबसे आगे चल रहे हैं। राजस्थान के लिए 9 पारियों में इन दोनों ने मिलकर 451 रन जोड़े हैं। आक्रामक सलामी साझेदारी पर बात करते हुए जायसवाल ने कहा, बेशक, हमें पता था कि यह एक हाई-स्कोरिंग मैदान है। इसलिए हमें अपना आक्रामक रवैया बनाए रखना था और जब भी मौका मिलता, हमें शॉट लगाना था। मैं भी यही सोच रहा था कि अगर गेंद मेरी रेंज में आती है, तो मैं उसे जरूर मारूंगा। और हां, हमें एक अच्छी शुरुआत की जरूरत थी क्योंकि हमें 200 या उससे ज्यादा रन बनाने थे। इसलिए यह बिल्कुल साफ था कि अगर गेंद हमारे खेलने के दायरे में आएगी, तो हम उसे जरूर मारेंगे।

न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पिछले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताबी जीत वाली टीम में शामिल कुल 10 खिलाड़ियों को इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगमी टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

न्यूजीलैंड ने बुधवार को स्टार ऑलराउंडर मेली केर को टीम का कप्तान बनाया। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम का घोषणा करने वाली दूसरी टीम बन गई। कीवी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मेल है, जिसमें अनुभवी सूजी बेट्स और डिवाइन अपने 10वें टी-20 विश्व कप में

खेलेंगी, जबकि नई खिलाड़ी नेन्सी पटेल और बल्लेबाज इजी शार्प का आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले अनुभव के लिए टीम में स्वागत किया गया है। पहली पसंद की स्पिनर ईडन कार्सन अपनी लंबे समय से कोहनी की चोट के कारण टीम में नहीं चुनी जा सकीं।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने कहा, मेरा मानना है कि हमें एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड टीम मिली है जिसमें एक्सपीरियंस और रोमांचक युवा प्रतिभा का मिश्रण है। हमने पिछले 12 महीनों में अपनी बैटिंग डेप्थ को डेवलप करने के लिए बहुत मेहनत की है, खासकर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हमारी हालिया होम सीरीज में इसका फायदा देखने को मिला है। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप 2 में होगा और नॉकआउट स्टेज से पहले इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच खेलेगा।

विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम - मेली केर (कप्तान), सूज़ी बेट्स, सोफी डिवाइन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, जेस केर, रोजमेरी मेयर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इजी शार्प और ली ताहुहू।

एआईएफएफ यूथ लीग

पंजाब एफसी का जलवा बरकरार, फाइनल में 3-0 से शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब एफसी ने एएआईएफएफ एलीट यूथ लीग 2025-26 का खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड करते हुए फाइनल में जिंक फुटबाल एकादमी को 3-0 से हराया। गढ़शंकर के रामसर साहिब स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब स्लष्ट ने दूसरे हाफ में दमदार प्रदर्शन किया।

10 मिनट में मैच खत्म - दूसरे हाफ में महज 10 मिनट के अंदर पंजाब स्लष्ट ने तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 69वें मिनट में कृष शोरम ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद 70वें मिनट में कप्तान विशाल यादव ने गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

तीसरे गोल से पक्की जीत - पंजाब एफसी का आक्रमण यहीं नहीं रुका और 79वें मिनट में थोग्राम ऋषीकांत सिंह ने तीसरा गोल दागकर जीत पूरी तरह सुनिश्चित कर दी।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर - पहले हाफ में पंजाब स्लष्ट ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और लगातार हमले किए, लेकिन जिंक फुटबाल एकाडमी के गोलकीपर स्मारनिक थापा ने कई शानदार बचाव किए।

गोल्फ जगत में शोक की लहर

दिग्गज खिलाड़ी विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार

बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया।

उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले नौ भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अलफ्रीड दुनहिल कप में भी भारत का रिप्रेजेंटसन किया था।

डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति बताया। कपिल ने कहा, विजय कुमार भारतीय गोल्फ के महान खिलाड़ियों में से एक थे। अपनी उपलब्धियों, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें गोल्फरों की कई पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बना दिया। उनका निधन भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर, हेले बाप्टिस्ट ने सबालेंका को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। हेले बाप्टिस्ट ने मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बाप्टिस्ट ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत दर्ज की। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे तक चला और उनके करियर की सबसे बड़ी जीत साबित हुआ।

छह मैच प्वाइंट बचाकर पलटा मैच - इस मुकाबले में बाप्टिस्ट ने असाधारण मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने छह मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया और अंत में लगातार तीन अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

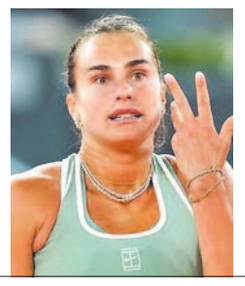

पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में एंट्री - 24 वर्षीय बाप्टिस्ट ने इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इससे पहले जैस्मिन पाओलिनी को हराया था और अब पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले उन्होंने कभी टॉप-5 खिलाड़ी को नहीं हराया था, लेकिन इस बार उन्होंने लगातार बड़े नामों को मात दी है।

मैच का टर्निंग पॉइंट - पहले सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी नजर आईं और आसानी से सेट जीत लिया। लेकिन दूसरे सेट में बाप्टिस्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और सबालेंका की गलतियों का फायदा उठाते हुए मैच बराबर कर दिया।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर

बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है।

डब्ल्यूएफआई का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।

विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गईं और इसी दौरान मां भी बनीं।

चीन से 0-5 से हारकर भारत उबेर कप से बाहर

अब थॉमस कप पर निगाहें

होर्सेंस (डेनमार्क)(एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी।

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है. सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशारानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया

गया।

सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं. इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

सिंधु ने बाद में कहा, 'यह एक अच्छा मैच था. अगर मैं जीत हासिल करने में सफल रहती तो और भी अच्छा होता. मुझे मौके मिले, लेकिन ऐसा नहीं था कि कुछ अंक आसान थे. प्रत्येक अंक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ. हम वास्तव में प्रत्येक अंक के लिए बहुत संघर्ष कर रहे थे।' प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा पहले युगल मुकाबले में विश्व की नंबर एक जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग के सामने नहीं टिक पाईं और 11-21, 8-21 से हार गईं।

इशारानी बरुआ ने तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन विश्व में 38वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 20-19 पर एक आसान मौका गंवा दिया. विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी युफेई ने यह मैच 44 मिनट में 22-20, 21-13 से जीतकर चीन को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

दूसरे युगल में त्रीसा जॉली और कविप्रिया सेल्वम की जोड़ी को 59 मिनट तक चले मुकाबले में लूओ जू मिन और झांग शू जियान से 10-21, 21-12, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

- ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल, देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है

मुल्लांपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 में एक बार फिर विवादों घिर गई है. इस बार टीम अपने कप्तान रियान पराग के गलत कारणों से सुर्खियों में आई है. यह दाएं हाथ का बल्लेबाज पहले से ही अपने खराब प्रदर्शन के कारण सवालों के घेरे में है, और अब एक और विवाद ने उन पर सबका ध्यान खींच लिया है. दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक मैच के दौरान लाइव प्रसारण के एक क्लिप में रियान पराग को ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हुए देखा गया।

यह घटना न्यू-चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 16वें ओवर में कैमरे में कैद हुई. फैंस ने तुरंत इस पल को पकड़ लिया, और तब से यह क्लिप सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही है. हालांकि इस मैच को राजस्थान ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया था, जिसकी वजह से पंजाब को इस सीजन पहली हार का सामना करना पड़ा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3874

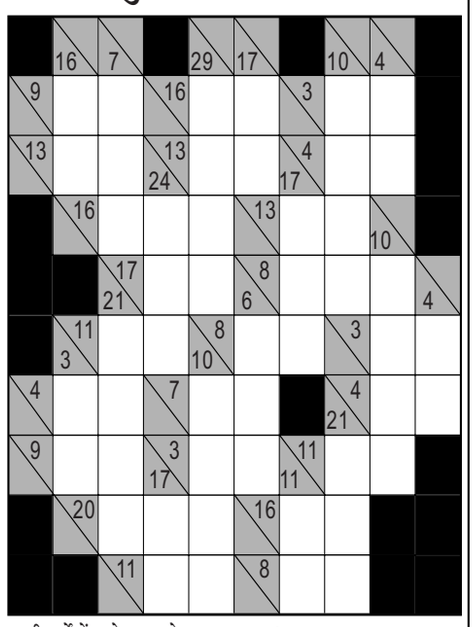

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

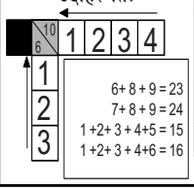

काकुरो -3873 का हल

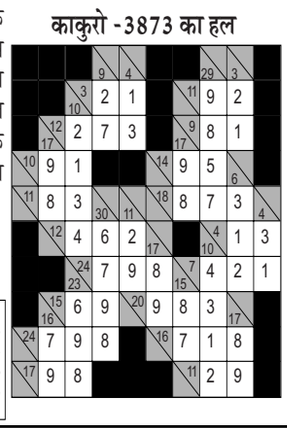

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3874

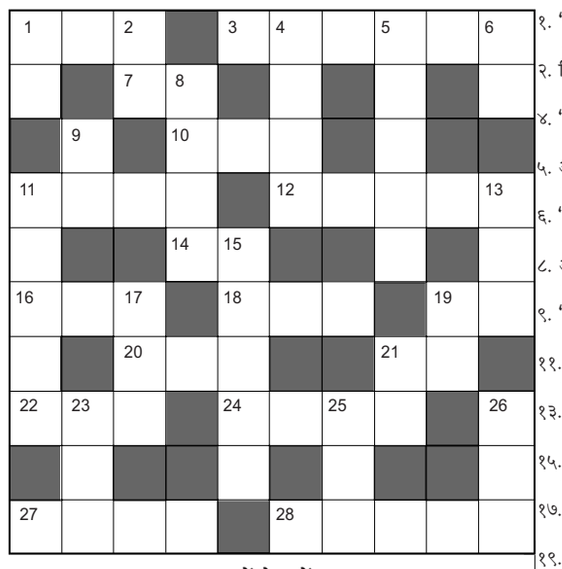

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'गम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3873

दे	व		प्रे	म	क	हा	नी		जी
व		तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल		पु	का	र		सिं		त
	क्ष्य		जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	स
क	बी	ला		ग		प्या		न	
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा
ध	र्मा				ड		स्ते		गि
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री

सूडोकु -3874

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3873 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 3874

बाएँ से दाएँ

1.पदमाकर,कमल सरोवर-5
4.इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6.देवस्थान,मंदिर-2
7.शिव आवास-3
8.उत्तम,सज्जन-2
10.पति,शोहर-3
11.दमकना-4
14.टीस,पीड़ा-3
16.झरने की आवाज-4
17.आशा,इच्छा-2
18.संध्या,शाम-2
19.निराकार,भगवान-4
21.बुझाना,शांति-3
22.अभिप्राय-4
24.आंचल-3
25.घोड़ागाड़ी-2
27.उष्ण-3
28.पिता के पिता-2
29.पंक्ति-3
30.तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1.कथा कहने वाला-5
2.चित,जी-2
3.कार्यशाला,यंत्रालय-4
4.माहिर,दक्ष-3
5.आकाश,गगन-2
7.कारावास-2
9.योग्य-3
12.अनुमान,अंदाज-3
13.झगड़ा,कहासुनी-4
15.मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16.पक्षियों का शोर-4
17.राहत, विश्राम -3
18.मुसीबत, आफत -3
20.होशियार, चेतावनी-5
21.नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23.मगरमच्छ-3
24.दर,मूल्य-2
26.भूमि,धरती-2
28.पिता के पिता-2

शब्द पहेली -3873 का हल

	बे	मि	सा	ल		प	ह	चा	न		
बे		ल		हु	न	र		क		स	
ई	मा	न		लु		ब		र	स	म	
मा				हा	ज	रि				क	
न	क	ब	ज	न		श	य	न	क	क्ष	
	म		र				की		हा		
अ	ल	सु	ब	ह		का	न	भ	र	ना	
प				म	लि	न				स	
रा	श	न		ब		ख		स	ला	म	
ध		हा		न	रा	जू		गे		झ	
	स	ना	त	न		रा	ज	पा	ट		

प्याज के असरकारी घरेलू नुस्खे

कई रोगों की दवा 'प्याज'

प्रति सौ ग्राम प्याज में लगभग 0.7 मिलीग्राम लोहा, 40 इंटरनेशनल यूनिट विटामिन बी तथा लगभग 11 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। इसके अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइट्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस आदि भी होता है। प्याज में मौजूद उड़नशील तेल में गंधक, एल्बुमेन, प्रस्फुटक अम्ल, चूने के सिट्रेट तथा लिग्लिन होते हैं।

प्याज को लगभग हर सब्जी में डाला जाता है। इसे सलाद के रूप में कच्चा भी खूब खाया जाता है। प्याज हरा और सूखा दोनों प्रकार का प्रयोग में लाया जाता है। यकीनन प्याज के प्रयोग से भोजन का स्वाद बढ़ जाता है परंतु यह केवल भोजन को स्वादिष्ट ही नहीं बनाता अपितु इसमें अनेक ऐसे तत्व होते है जिनसे शरीर को पोषण मिलता है साथ ही यह अनेक रोगों के लिए औषधि का काम भी करता है। यह भोजन पचाने में सहायता करता है तथा शरीर का बल बढ़ाता है। प्याज अच्छा रक्त विकार नाशक भी है।

- रक्त विकार को दूर करने के लिए 50 ग्राम प्याज के रस में 10 ग्राम मिश्री तथा 1 ग्राम भूना हुआ सफेद जीरा मिला लें।
- कब्ज के इलाज के लिए भोजन के साथ प्रतिदिन एक कच्चा प्याज जरूर खाएँ। यदि अजीर्ण की शिकायत हो तो प्याज के छोटे-छोटे टुकड़े काटकर उसमें एक नीबू निचोड़ लें या सिरका डल लें तथा भोजन के साथ इसका सेवन करें।
- बच्चों को बदहजमी होने पर उन्हें प्याज के रस की तीन-चार बूँदें चटाने से लाभ होता है। अतिसार के पतले दस्तों के इलाज के लिए एक प्याज पीसकर रोगी की नाभि पर लेप करें या इसे किसी कपड़े पर फैलाकर नाभि पर बाँध दें।
- हैजे में उल्टी-दस्त हो रहे हों तो घंटे-घंटे बाद रोगी को प्याज के रस में जरा सा नमक डलकर पिलाने से आराम मिलता है। प्रत्येक 15-15 मिनट बाद 10 बूँद प्याज का रस या 10-10 मिनट बाद प्याज और पुदीने के रस का एक-एक चम्मच पिलाने से भी हैजे से राहत मिलती है।

थकान से परेशान !

आजकल हर कोई हर समय थकान से परेशान सा रहता है। वह चाहे गृहिणी हो या नौकरी पेशा पुरुष अथवा कामकाजी महिला अथवा छात्र जिससे भी मिलो, तो वह यही कहेगा हर समय थका-थका सा रहता हूं। थकान डॉक्टरों को बताएं जाने वाले लक्षणों में सबसे प्रमुख है। थकान के लक्षण व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक व्यावसायिक, आर्थिक एवं सामाजिक जीवन को बहुत गहरे से प्रभावित करते है।

क्या है थकान

जब कोई व्यक्ति अपने आपको हर समय थका महसूस करे, अपने रोज के काम-काज को पूरा करने में थक जाए एवं आराम करने के पश्चात भी ताजगी का अनुभव ना करें, तो हम कहेंगे कि व्यक्ति को थकान रहती है। हालांकि सभी व्यक्तियों को कभी ना कभी थकान का अनुभव होता है, किन्तु वह कुछ ही समय में ठीक हो जाती है, एवं वह अस्थाई होती है।

कारण

थकान के कारणों को मुख्यतया पांच भागों में बांटा जा सकता है।

- अनिद्रा
- शारीरिक रोग जैसे उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, एनीमिया आदि।
- मानसिक कारण जैसे अवसाद, चिन्ता, उदासी।
- बदलती जीवन शैली का तनाव जैसे अत्यधिक काम का दबाव अथवा काम का अभाव, व्यायाम का अभाव, मोटापा, नित्य शराब का सेवन, अनियमित भोजन पद्धति इत्यादि।
- सामाजिक समस्याएं जैसे नशे की लत, पारिवारिक एवं वैवाहिक सामंजस्य का अभाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि।

लक्षण

थकान के कारण व्यक्ति में निम्नलिखित लक्षण देखने को मिलते हैं। जो प्रमुखतया अनिद्रा, ऊर्जा की कमी, अनिर्णय की स्थिति, बेचैनी, एकाग्रता की कमी, अवसाद चिन्ता के तौर पर मिलते हैं।

कैसे पाएं थकान पर काबू

- सर्वप्रथम थकान के कारणों को जानने का प्रयास करें। यदि हम थकान के कारण को पहचान लेंगे, तो इस पर विजय पाना आसान होगा।
- यदि आपकी अनिद्रा ही आपकी थकान का कारण है, तो सर्वप्रथम उसका उपचार करें।
- सोने वाले कमरे में नींद का उपयुक्त वातावरण तैयार करें। शान्त कमरा, आरामदेह बिस्तर, निश्चित समय पर बिस्तर पर जाना, बिस्तर का प्रयोग सिर्फ सोने हेतु करना, हल्की लाइट इत्यादि ऐसी व्यवस्थाएं है, जो नींद का बेहतर वातावरण तैयार करती है।
- नित्य प्रति सुबह अथवा शाम को किया गया व्यायाम आपकी थकान को कम करता है, हालांकि व्यायाम की शुरुआत व्यक्ति में कुछ थकान अवश्य पैदा करती है, किन्तु वह अस्थायी होती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में नेगेटिव किरदार निभा रही हैं गौरी अग्रवाल

टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया। शुरुआत में पॉजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नेगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी अग्रवाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि किरदार में यह बड़ा ट्रांसफॉर्मेशन उनके लिए फिजिकली और इमोशनली दोनों तरह से बहुत डिमांडिंग रहा है। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में कीर्ति बहुत पॉजिटिव थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नेगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कामों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे। 'गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, 'कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी। उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन इमोशनली और फिजिकली दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगें, लेकिन किसी भी हद को पार न करें।' अभिनेत्री ने आगे कहा कि नेगेटिव किरदार बनने के बाद कीर्ति के इंटेंस फैसलों को समझना और इमोशनल स्तर पर उन्हें स्वीकार करना उनके लिए लगातार चलने वाली प्रक्रिया रही है। कीर्ति जिस हद तक जाती है, रीत और राघव को नुकसान पहुंचाना, गुस्सा दिखाना या खुद को चरम की स्थिति में ले जाना, यह सब बहुत खतरनाक है। इन चीजों को समझना और इमोशनली सही ठहराना मेरे लिए काफी मुश्किल रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में गौरी अग्रवाल के साथ भारत अहलावत राघव का किरदार निभा रहे हैं, जबकि आयुषी खुराना रीत की भूमिका में हैं।

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर रकुल प्रीत ने दी सफाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत और एक्टर, प्रोड्यूसर जैकी भगनानी साल 2024 में शादी के बंधन में बंधे थे। इससे पहले दोनों रिलेशनशिप में भी रहे। दोनों एक-दूसरे को अच्छे से जानते समझते हैं और प्यार करते हैं। लेकिन जैकी भगनानी के हालिया इंटरव्यू ने फैंस के मन में इनके रिश्ते को लेकर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, जैकी भगनानी ने रकुल के साथ अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप का नाम दिया। सिचुएशनशिप का नाम उस रिश्ते को दिया जाता है, जिसे लेकर भविष्य में कोई प्लानिंग कपल नहीं बनाना चाहते हैं। इस पूरे मामले पर अब रकुल ने भी अपना नजरिया रखा है। जानिए, जैकी भगनानी के बयान पर वह क्या बोली हैं?

रकुल प्रीत ने अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

जैकी भगनानी के सिचुएशनशिप वाले बयान पर बढ़ते बवाल को देखते हुए शुक्रवार को रकुल प्रीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट की। इसमें वह लिखती हैं, 'आज हम इस बात पर खूब हंसे कि कैसे एक घंटे लंबी बातचीत में से सिर्फ एक लाइन अचानक से सुर्खियां बन जाती है। मेरा मानना है कि हर बात में संदर्भ मायने रखता है। बारीकियां मायने रखती हैं। हमारी बातचीत इससे बेहतर की हकदार है, उसे सिर्फ क्लिकबेट बनाकर रख दिया गया। शायद अब समय आ गया है कि प्लेटफॉर्म उन कहानियों के लिए थोड़ी और जिम्मेदारी लें जो वे बनाते हैं।'

आखिर जैकी भगनानी ने क्या बयान दिया था

बीते दिनों एक इंटरव्यू जैकी भगनानी और रकुल ने दिया था। इसी बातचीत में जैकी भगनानी ने कहा था, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे खास बात यह है कि मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाला देता हूं। मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। इसलिए मुझे अपने रिश्ते में घुटन महसूस नहीं होती है।'

रकुल प्रीत का करियर फ्रंट

रकुल प्रीत के करियर की बात करें तो जल्द ही उनकी एक फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई को रिलीज होगी।

परब्रमता चटर्जी के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है

कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिखने लगती है। ऐसी ही दोस्ती अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया और बंगाली अभिनेता परब्रमता चटर्जी के बीच देखने को मिली। दोनों इन दिनों एक नई थ्रिलर-एक्शन वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। निमृत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने को-स्टार की जमकर तारीफ की और उन्हें सबसे अच्छा इंसान बताया। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी शेयर की, जो नैनिताल की शूटिंग के दौरान ली गई है। इस तस्वीर में वह और परब्रमता चटर्जी साथ खड़े नजर आ रहे हैं और कैमरे की तरफ मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में उनकी दोस्ती साफ दिख रही है। इस फोटो के साथ निमृत ने कैप्शन में लिखा, ''परब्रमता चटर्जी इस दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं और उनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' फिलहाल इस नई वेब सीरीज का नाम अभी सामने नहीं आया है और इसके बारे में ज्यादा जानकारी भी गोपनीय रखी गई है। फिल्म की शूटिंग पिछले हफ्ते शुरू हो चुकी है और इसे एक थ्रिलर-एक्शन कहानी के रूप में बनाया जा रहा है। इससे पहले फरवरी में खबर आई थी कि निमृत एक नई थ्रिलर सीरीज में नजर आएंगी, जिसका नाम 'अब होगा हिसाब' बताया जा रहा है। इसकी कहानी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी होगी। इस शो में संजय कपूर, शहीर शेख और मौनी रॉय जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं। इस सीरीज को एरे स्टूडियो प्रोड्यूस कर रहा है और इसका निर्देशन दिव्यांशु मल्होत्रा कर रहे हैं। कहानी एक रहस्य और बदले पर आधारित है, जिसमें इंसानी भावनाएं, सत्ता की लड़ाई और छिपे हुए राज दिखाए जाएंगे। इस कहानी में निमृत का किरदार काफी अहम बताया जा रहा है। बता दें कि निमृत इससे पहले पंजाबी फिल्म 'शौकी सरदार' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ गुरु रंधावा, बब्बू मान और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी थे।

अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल किया फाइनल

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल फाइनल कर लिया है। अब जल्द वो निर्देशक टीनू देसाई के साथ अपने इस नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। अहान ने बड़े ही आराम से इसे साजिद नाडियाडवाला से मांगकर अपने नाम रजिस्टर करवा किया। सुनने में आया है कि अहान ने यह टाइटल निर्माता साजिद नाडियाडवाला से सीधे जाकर मांग लिया। इंडस्ट्री में आमतौर पर ऐसे फैसले अंतरिक चर्चाओं और काफी बातचीत के बाद लिए जाते हैं। मगर अहान ने ऐसा नहीं किया। वो सीधे जाकर निर्माता साजिद नाडियाडवाला से मिले और टाइटल को लेकर बात की। साजिद पहले इसे किसी और फिल्म में उपयोग करने वाले थे। खबरों के अनुसार वो फिल्म भी अहान शेट्टी की ही थी पर अहान ने साजिद को बताया कि वो इस टाइटल को अपने दूसरे प्रोजेक्ट में उपयोग करना चाहते हैं।

'धूम 4' और 'ब्रह्मास्त्र 2' को लेकर रणबीर ने शुरू की तैयारी

अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' में प्रभु राम की भूमिका से रणबीर कपूर ने अपनी नई झलक से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। यह फिल्म इसी साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस बेसब्री से रणबीर को भगवान राम के रूप में देखने का इंतजार कर रहे हैं। अभी रणबीर 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इन दोनों फिल्मों के बाद रणबीर किस बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने वाले हैं? इन दोनों रणबीर कपूर 'रामायण भाग 1' और 'लव एंड वॉर' फिल्मों की शूटिंग कर रहे है, जो लगभग अक्तूबर 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। शूटिंग खत्म होने से पहले ही रणबीर ने अगली फिल्मों की योजना बनाना शुरू कर दिया है। रणबीर संदीप रेड्डी वांगा कि 'एनिमल पार्क' से पहले एक और बड़े प्रोजेक्ट पर करना चाहते हैं, जिसकी शूटिंग 2027 के आखिर में शुरू हो सकती है। एक खबर के अनुसार, रणबीर कई स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। उनमें दो बड़ी फिल्में सबसे मजबूत दावेदार हैं। पहली- अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र 2' और दूसरी यश राज फिल्म्स की 'धूम 4'। रणबीर ने दोनों फिल्मों के मूल आइडिया सुन लिए हैं। दोनों की कहानी उन्हें पसंद आई है। लेकिन वे पूरी लिखित स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद ही कोई फैसला लेंगे। 'धूम 4' शुरुआती स्टेज में है। अभी डायरेक्टर भी फाइनल नहीं हुआ है। 'ब्रह्मास्त्र 2' में कास्टिंग की समस्या आ रही है। दीपिका पादुकोण अमृता का रोल करने वाली थीं, लेकिन दोबारा प्रेगनेंसी की वजह से अब दूसरी अभिनेत्री की तलाश की जा रही है। दरअसल, रणबीर 'रामायण 2' और 'एनिमल पार्क' के बीच के समय में एक बड़ी फिल्म करना चाहते हैं। फिलहाल, 'ब्रह्मास्त्र 2' को थोड़ी ज्यादा प्राथमिकता मिल रही है। हो सकता है कि जून 2026 तक रणबीर अंतिम स्क्रिप्ट पढ़कर अपना फैसला ले लेंगे।

मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी

एक्टिंग के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखने वाली बॉलीवुड अदाकाराओं में अब पत्रलेखा का नाम भी जुड़ चुका है। हाल ही बतौर प्रोड्यूसर पत्रलेखा की पहली फिल्म 'टोस्टर' आई है। इसमें उनके पति राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा लीड रोल में हैं। फिल्म को अच्छा रेस्पॉन्स भी मिल रहा है।

पत्रलेखा कहती हैं कि उन्होंने पहले ही सोच रखा था कि वह अपनी फिल्म में एक्टिंग नहीं करेंगी। उनकी यह फिल्म एक कंजूस आदमी की कहानी है। बात निकली तो एक मजेदार सवाल ये भी पूछा गया कि राजकुमार राव और उनमें, असल जिंदगी में ज्यादा कंजूस कौन है? 36 साल की नई-नवेली मां ने इसका भी जवाब दिया।

मैं 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहती थी

पत्रलेखा 'टोस्टर' के बनने और प्रोड्यूसर बनने के बारे में बताती हैं, 'हम दोनों (राज और वह) साल 2017 से ही प्रोड्यूसर बनना चाहते थे, मगर बीच में कोविड महामारी आ गई तो वह नहीं हो पाया, लेकिन मैं शुरू से क्लियर थी कि जब मैं फिल्म प्रोड्यूस करूंगी तो उसमें खुद एक्टिंग नहीं करूंगी, क्योंकि कैमरे के पीछे भी मैं जो करूंगी अच्छे से करूंगी।' मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।

प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है

बकौल पत्रलेखा, 'मेरी जिंदगी का मकसद ही यह है कि मैं शायद 10 चीजें न करूं, एक ही चीज करूं, मगर उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी तो मैंने सोच रखा था कि मैं कैमरे के आगे नहीं रहूंगी। सच कहूं तो मुझे इस जर्नी में बहुत मजा आया। बतौर एक्टर हमें पता नहीं होता कि फिल्म बनाने में कितना काम होता है। प्रोडक्शन में 365 दिन 24 घंटे काम होता है। मेरे लिए आसानी यह रही कि डायरेक्टर विवेक दास चौधरी से लेकर सान्या मल्होत्रा, फराह खान, हम सब दोस्त हैं। राज तो घर का ही एक्टर है तो ज्यादा मुश्किल नहीं हुई। मुझे लगता है कि अब जब आगे मैं कैमरे के आगे कोई रोल करूंगी, तब भी यह अनुभव बहुत काम आएगा।'

राजकुमार नहीं, मैं हूं कंजूस

'टोस्टर' में राजकुमार राव एक महा कंजूस पति की भूमिका में हैं। क्या असल जिंदगी में भी वह ऐसे हैं? इस सवाल के जवाब में पत्रलेखा पूरी ईमानदारी और बेबाकी से कहती हैं, 'नहीं, राज बिलकुल कंजूस नहीं है। हम दोनों में से मैं कंजूस हूं।' वह आगे हंसते हुए बताती हैं, 'मैंने तो ऐसा भी किया है कि फिल्म के डायरेक्टर विवेक, जो मेरे बचपन के दोस्त हैं, मैं उसको बोलती थी कि मुझे खाना खिलाने लेकर चल और जब बिल देने की बारी आती थी तो मैं उसको बिल पकड़ाकर चली जाती थी।' पत्रलेखा और राजकुमार राव पहले दोस्त थे। फिर लाइफ पार्टनर बने। दोनों साल 2010 से ही साथ हैं। जबकि 15 नवंबर 2021 को दोनों ने पति-पत्नी के रूप में जीवन की नई पारी शुरू की। अब उनकी जिंदगी में बेटी पार्वती पॉल राव भी है। यह भी दिलचस्प संयोग है कि बेटी का जन्म उनकी शादी की चौथी सालगिरह पर 15 नवंबर 2025 को हुआ। क्या माता-पिता बनने के बाद दोनों के आपसी रिश्ते बदले हैं। इस पर पत्रलेखा कहती हैं, 'नहीं। पैरेंट्स बनने के बाद भी राज और मैं बिल्कुल नहीं बदले हैं। हम पहले दिन से दोस्त हैं और आज भी दोस्त है। हमारे रिलेशनशिप के चलने की वजह भी यही है कि हम बहुत अचछे दोस्त हैं।'

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन का बड़ा कबूलनामा: चीन-रूस की मिसाइलों के सामने अमेरिकी रक्षा सिस्टम बेदम, गोल्डन डोम बनेगा गेम चेंजर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक अहम खुलासा सामने आया है। शीर्ष पेंटागन अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मौजूदा अमेरिकी रक्षा प्रणाली केवल छोटे स्तर के हमलों को ही रोक सकती है और हाइपरसोनिक या क्रूज मिसाइल जैसे आधुनिक खतरों के खिलाफ लगभग बेअसर है। अमेरिकी रक्षा और सैन्य अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के बजट पर चर्चा के दौरान सीनेट में यह बात रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश तेजी से ऐसे हथियार विकसित कर रहे हैं, जो पारंपरिक रक्षा प्रणाली को आसानी से चकमा दे सकते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने साफ कहा कि मौजूदा सिस्टम को इस तरह के आधुनिक खतरों के लिए डिजाइन ही नहीं किया गया था।

पाकिस्तान में ऊर्जा संकट: सिर्फ 5-7 दिनों का कच्चा तेल शेष, पेट्रोलियम मंत्री परवेज मलिक ने कबूली लाचारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे भीषण ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने चेताया है कि देश के पास अब केवल पांच से सात दिनों का कच्चा तेल शेष बचा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और लाल सागर में उपजे संकट ने पाकिस्तान की आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह तोड़ दिया है। यदि अगले कुछ दिनों में तेल की नई खेप नहीं पहुंचती है, तो देश में परिवहन और उद्योग पूरी तरह ठप हो सकते हैं। मंत्री मलिक ने भारत की रणनीतिक क्षमता का जिक्र करते हुए अपनी बेबसी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास कोई ठोस ऑयल रिजर्व नहीं है। उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि हम भारत की तरह सक्षम नहीं हैं। भारत एक सिग्नेचर करके अपने रिजर्व से 60-70 दिनों का तेल रिलीज कर सकता है। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति ऐसी है कि यहां बाहरी झटकों को सहने की रत्ती भर भी क्षमता नहीं बची है। पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी कहा कि देश के पास एक दिन का भी अतिरिक्त पेट्रोल भंडार नहीं है। उन्होंने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को इस संकट की मुख्य वजह बताया। उनके अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी यह युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को तत्काल एक प्रभावी ऊर्जा सुरक्षा योजना की आवश्यकता है, अन्यथा देश पूरी तरह ठप हो सकता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों ने पाकिस्तान की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने साफ कर दिया है कि वे रूसी और ईरानी तेल पर दी गई छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएंगे। बेसेंट ने कहा कि ईरान के लिए अब कोई रियायत नहीं होगी। अमेरिका ने प्रभावी रूप से नाकाबंदी कर रखी है, जिससे ईरानी तेल की आपूर्ति रुक गई है। रूस से तेल खरीद पर मिलने वाली छूट भी खत्म होने वाली है। इन वैश्विक प्रतिबंधों और घरेलू भंडारण की कमी ने पाकिस्तान को दोतरफा संकट में फंसा दिया है। कच्चे तेल की कमी से रिफाइनरियों के बंद होने का खतरा है। यदि जल्द ही आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो पाकिस्तान में परिवहन और बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो सकती है। सरकार अब भंडारण क्षमता को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही है, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण यह राह बेहद कठिन नजर आ रही है।

मैक्सिको में ड्रग कार्टेल को बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ गिरोह का सबसे बड़ा नेता, अमेरिका ने रखा था बड़ा का इनाम

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको में सबसे ताकतवर माने जाने वाले ड्रग कार्टेल जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) को एक और बड़ा झटका लगा है। सोमवार को मैक्सिको की सेना ने इस गिरोह के बड़े नेता ऑडियास फ्लोरेस सिल्वा को गिरफ्तार कर लिया। उसे एल जार्डिनेरो यानी माली के नाम से भी जाना जाता है। मैक्सिको सरकार के मुताबिक, फ्लोरेस सिल्वा को नयारिट राज्य के एल मिराडोर इलाके के पास सड़क किनारे एक गड्ढे में छिपे हुए पकड़ा गया। उसकी गिरफ्तारी के दौरान कोई मुठभेड़ नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। फ्लोरेस सिल्वा को कार्टेल के मारे गए सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस उर्फ एल मेंचो का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। एल मेंचो फरवरी में मैक्सिकन सेना के एक बड़े ऑपरेशन में मारा गया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिनमें 25 नेशनल गार्ड के जवान भी शामिल थे।बता दें कि अमेरिका ने फ्लोरेस सिल्वा की गिरफ्तारी पर 5 मिलियन डॉलर (करीब 40 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था। वह कार्टेल में सुरक्षा प्रमुख था और नशे के कारोबार को जलिस्को, मैक्सिको स्टेट, जाकाटेकास और नयारिट जैसे इलाकों में चलाने में अहम भूमिका निभाता था। उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ इलाकों में हिंसा की खबरें भी आईं, जहां कार्टेल के लोगों ने गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी।इस कार्रवाई की तारीफ रोनाल्ड जॉनसन (अमेरिकी राजदूत) ने भी की।

आरोपी एलन ने परिवार से माफी मांग खरीदे हथियार,

अमेरिकी सुरक्षा घेरा तोड़ने की थी साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी कोल टॉमस एलन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हमले से कुछ समय पहले अपने परिवार और एक पूर्व नियोक्ता को ईमेल भेजा था। इसमें उसने माफी और स्पष्टीकरण शीर्षक वाला दस्तावेज भी संलग्न किया था। ईईमेल में एलन ने लिखा, 'मैंने जो भी परेशानी पैदा की है, उसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं और साथ ही यह भी कहा कि वह जो करने वाला है उसके लिए उसे माफी की उम्मीद नहीं है। मेरे प्रतिनिधियों के कार्यों का मुझ पर प्रभाव पड़ता है और मैं अब अपराधों को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हूं।' जांच एजेंसियों का कहना है कि यह संदेश हमले की पूर्व-योजना का स्पष्ट संकेत देता है।

कैलिफोर्निया से खरीदे थे हथियार : जांच में सामने आया है कि आरोपी ने हमले के लिए कई हथियार पहले ही खरीद लिए थे, जिनमें 12-गेज शॉटगन और .38 कैलिबर पिस्तौल शामिल हैं। ये हथियार उसने कैलिफोर्निया में खरीदे और बाद में उन्हें वाशिंगटन डीसी तक ले गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने 6 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में 24 से 26 अप्रैल तक तीन रातों के लिए बुकिंग कर ली थी और कार्यक्रम स्थल की रेकी भी की थी। वह उसी होटल में ठहरा था जहां हाई-प्रोफाइल डिनर आयोजित होना था, जिसमें राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

ट्रेन से पहुंचा वाशिंगटन : एलन ने 21 अप्रैल को लॉस एंजिल्स के पास स्थित अपने घर से ट्रेन से यात्रा शुरू की और 23 अप्रैल को शिकागो पहुंचा। इसके बाद वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए, जहां वे 24 अप्रैल को दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचा। दोपहर लगभग 3 बजे वह होटल पहुंचा और रातभर वहीं रुका रहा, उसने खुद को उसी इमारत के अंदर रखा, जहां वह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि कोल टॉमस एलन को रात्रिभोज के कार्यक्रम और वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं की उपस्थिति की जानकारी थी। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम होटल के कॉनकोर्स तल पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रात लगभग 8 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम शुरू होने के लगभग 40 मिनट बाद आरोपी सुरक्षा चेकपॉइंट तक पहुंचा। इस दौरान गोली चलने की आवाज सुनाई दी और सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे काबू में कर लिया। इस दौरान एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई।

गहराई से चल रही जांच : अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी तरह योजनाबद्ध था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या आरोपी को किसी बाहरी व्यक्ति या संगठन की मदद मिली थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि संदिग्ध के होटल के कमरे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और यात्रा इतिहास से अतिरिक्त सबूतों की समीक्षा की जा रही है। आरोपी की इस काम में किसी ने मदद की थी या नहीं, उसकी भी जांच की जा रही है।

रुबियो ने कहा- ईरान का नया शांति प्रस्ताव उम्मीद से बेहतर, परमाणु हथियार क्षमता पर क्या बोले?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण कूटनीतिक माहौल के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि तेहरान की ओर से हाल में भेजा गया नया प्रस्ताव अमेरिका की उम्मीद से बेहतर है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि किसी भी संभावित समझौते की सबसे बड़ी शर्त यही होगी कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ओर से जो नया ढांचा पेश किया गया है, उसमें पहले चरण में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का सुझाव शामिल है। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर विस्तृत बातचीत को आगे बढ़ाने की बात कही गई है। अमेरिकी अधिकारी फिलहाल इस चरणबद्ध प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं।

अपने एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्वीकार होगा या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई समझौता नहीं होता है तो उसके परिणाम क्या होंगे, इस पर अंतिम फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। रुबियो ने कहा कि परमाणु मुद्दा ही वह वजह है जिसके कारण यह पूरा संकट शुरू हुआ। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम आज भी क्षेत्रीय तनाव का मुख्य कारण बना हुआ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तेहरान फिलहाल समय खरीदने की रणनीति पर काम कर रहा है। रुबियो के मुताबिक, ईरान के वार्ताकार बेहद अनुभवी हैं, इसलिए अमेरिका को ऐसा समझौता चाहिए जो निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करे कि ईरान किसी भी समय तेजी से परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे न बढ़ सके।अमेरिकी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि ईरान के भीतर आंतरिक सत्ता संघर्ष और निर्णय प्रक्रिया भी बातचीत को जटिल बना रही है।

ट्रंप के जीत वाले दावे पर ईरान ने लेगो स्टाइल में लिए मजे, सोशल मीडिया पर छिड़ा मीम युद्ध!

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब एक नया मोर्चा खुल गया है। यह मोर्चा किसी सीमा पर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर सक्रिय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही सैन्य तल्खी अब मीम युद्ध में बदल गई है। इस बार ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधने के लिए लेगो-स्टाइल एआई मीम का सहारा लिया है। आइए, जानते हैं कि क्या है पूरा मामला। घाना स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक व्यंग्यात्मक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में डोनाल्ड ट्रंप को सोते हुए दिखाया गया है। वीडियो में उनके सलाहकार आपस में बहस कर रहे हैं। सलाहकार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि राष्ट्रपति को जगाया जाए या नहीं। जब एक सहायक उन्हें जगाने का सुझाव देता है, तो दूसरा जवाब देता है कि उन्हें परेशान न किया जाए। दूसरा सहायक कहता है कि राष्ट्रपति अभी ईरान को हराने का सपना देख रहे हैं। इस वीडियो के साथ एक तीखा कैप्शन भी लिखा गया है। इसमें लिखा है, 'वह सपना देख रहे होंगे कि उन्होंने ईरान को हरा दिया है। उन्हें सोने दें।' घाना स्थित ईरानी दूतावास टोगो और लाइबेरिया के लिए भी मान्यता प्राप्त है। इस दूतावास के आधिकारिक अकाउंट से पोस्ट किया गया यह वीडियो अब जंगल की आग की तरह सोशल मीडिया पर फैल गया है।

28 फरवरी 2026 को शुरू हुई सैन्य झड़पें अब अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुकी हैं। एक तरफ ट्रंप प्रशासन लगातार ईरान पर बड़ी सैन्य जीत के दावे कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, ईरान शब्दों और डिजिटल तस्वीरों के जरिए इस नैरेटिव को काटने की कोशिश कर रहा है।

सोशल मीडिया पर जनता की प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं काफी बंटी हुई हैं। कुछ लोग इसे मजा के तौर पर देख रहे हैं तो कुछ लोगों ने ऐतराज भी जताया है। एक यूजर ने लिखा, 'आप लोग असल में यह नहीं समझते कि अमेरिका कैसे काम करता है। आपका युद्ध राष्ट्रपति ट्रंप से नहीं है। वह तो सिस्टम का एक छोटा हिस्सा हैं जो थोड़े मुखर हैं। कार्टून बनाकर चमत्कार की उम्मीद करना कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।' बताते चलें कि जमीन पर सैन्य स्थिति अब भी अनिश्चित बनी हुई है, लेकिन डिजिटल दुनिया में यह जंग हर दिन नई शक्ल ले रही है।

क्या हिंदू होने की वजह से बचे काश पटेल?

हमलावर की हिटलिस्ट में ट्रंप की पूरी टीम, एफबीआई चीफ का नहीं था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम पर हमले की साजिश रचने वाले हमलावर ने केवल काश पटेल को बख्शा। अब जांचकर्ताओं का मानना है कि उनकी हिंदू पहचान या कानून प्रवर्तन अधिकारी होना उनकी सुरक्षा की बड़ी वजह हो सकती है। इस मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने सुरक्षा एजेंसियों को चकित कर दिया है। हमलावर कोल एलन के पास से बरामद घोषणापत्र की जांच में सामने आया है कि डोनाल्ड ट्रंप की पूरी टीम उसके निशाने पर थी। लेकिन उसने केवल एक नाम को जानबूझकर छोड़ दिया था। वो हैं एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल।

अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर काश पटेल को सूची से बाहर क्यों रखा गया। जांचकर्ता दो प्रमुख सिद्धांतों पर काम कर रहे हैं। पहला और सबसे चर्चित कारण उनकी धार्मिक पहचान मानी जा रही है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर कोल एलन के विचारों में स्पष्ट रूप से ईसाई-विरोधी नफरत भरी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि हिंदू होने की

वजह से काश पटेल हमलावर के निशाने पर फिट नहीं बैठे। हमलावर ने अपनी हिंसा को सही ठहराने के लिए जिन नैतिक और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया, उसमें हिंदू धर्म के प्रति उसका कोई विरोध नहीं दिखा।

हमलावर ने बनाए थे कड़े नियम

बताया जा रहा है कि शूटर ने हमले के लिए कुछ कड़े नियम बनाए थे। इनमें से एक नियम था 'लॉ एन्फोर्समेंट' यानी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सीधा नुकसान न पहुंचाना। काश पटेल एफबीआई के शीर्ष पद पर हैं। इसलिए उन्हें इस श्रेणी में रखा गया होगा। हालांकि, यह थ्योरी पूरी तरह सटीक नहीं बैठती। हमले के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी को गोली लगी थी। उसकी जान केवल बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बची।

मामले में एक के बाद एक बड़े खुलासे

कोल एलन ने इस हमले के लिए अधिकारियों की एक बाकायदा रैंकिंग वाली लिस्ट तैयार की थी। उसने अपने मैनीफेस्टो में लिखा था, 'प्रशासन के अधिकारी मेरे लक्ष्य हैं।' चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर ने घटना को अंजाम देने से ठीक 10 मिनट पहले यह दस्तावेज अपने परिवार को भेजा था।

25 अप्रैल का खौफनाक घटनाक्रम

यह हमला 25 अप्रैल को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में हुआ था। कोल एलन कई घातक हथियारों के साथ सुरक्षा घेरा तोड़कर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की फिराक में था। हालांकि, सीक्रेट सर्विस की मुस्तैदी से उसे पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान हुई गोलीबारी में अफरा-तफरी मच गई। डोनाल्ड ट्रंप और वहां मौजूद अन्य वीवीआईपी अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया। वर्तमान में कोल एलन पर हत्या के प्रयास और अवैध हथियारों से जुड़ी संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

रक्षा मंत्री ने किर्गिस्तान के विजय चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किर्गिस्तान के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को बिश्केक के विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की, जो नाजी जर्मनी पर विजय को समर्पित एक स्मारक है।

रक्षा मंत्रालय ने एक्स के एक बयान में कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए अपनी यात्रा के दौरान किर्गिस्तान के बिश्केक में विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की।' इसके बाद में वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।

आतंकवाद पर भारत का कड़ा रुख

रक्षा मंत्री सोमवार को एससीओ बैठक के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक पहुंचे। बिश्केक स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में लिखा,' 27-28 अप्रैल 2026 को एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बिश्केक पहुंचने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी। 27 अप्रैल 2026

को मानस हवाई अड्डे पर राजदूत सिंह द्वारा स्वागत किया गया।' राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा,' किर्गिस्तान के लिए रवाना होने से पहले रक्षा मंत्री ने कहा कि वह विश्व में व्याप्त मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे और आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के निरंतर रुख से भी अवगत कराएंगे। मंगलवार को बिश्केक में होने वालें बैठक के दौरान एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्र की रक्षा और सुरक्षा से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मंत्री अंतरराष्ट्रीय शांति, आतंकवाद-विरोधी उपायों और एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।मंत्रालय ने उल्लेख किया 'इस वर्ष की एससीओ बैठक पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में हो रही है।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी, कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल; कैसे होगी सुरक्षा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा।

इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है।

बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि

पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

ऐसे में इस कानून के तहत अगर कोई पहली बार दोषी पाया जाता है, तो उसे जुर्माना या एक साल तक की जेल हो सकती है। अगर वही व्यक्ति दोबारा ऐसा करता है, तो सजा और सख्त हो सकती है, जिसमें तीन साल तक की जेल भी शामिल है। यह बिल पीड़ितों को दीवानी (सिविल) मामले दर्ज करने का अधिकार भी देता है। इसके अलावा अमेरिका के अटॉर्नी जनरल समेत अधिकारी ऐसे मामलों में रोक लगाने और मुआवजा दिलाने के लिए कदम उठा सकते हैं।

गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है, जिनमें 'एंटी-डिफेमेशन लीग', 'अमेरिकन ज्यूइश कमेटी' और 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' शामिल हैं। एंटी-डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं।

लेबनान में इस्राइली हमलों में चार की मौत; यूएन महासचिव ने की होर्मुज को तुरंत खोलने की अपील

लेबनान, एजेंसी। ईरान ने प्रस्ताव में यह भी शामिल है कि इस्राइल से जुड़े या उसके स्वामित्व वाले जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, अन्य शत्रु देशों और उनसे जुड़े जहाजों पर भी सख्त प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। ईरान का कहना है कि जिन देशों ने उस पर प्रतिबंध लगाए या विदेशी बैंकों में उसके धन को रोककर आर्थिक नुकसान पहुंचाया है, उनसे जुड़े जहाजों पर लगाए गए टोल के जरिए उस नुकसान की भरपाई की जाएगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टोल लगाने की तैयारी : ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल वसूलने की योजना पर काम कर रहा है। खास बात यह है कि यह शुल्क डॉलर या किसी विदेशी मुद्रा में नहीं, बल्कि ईरानी करेंसी रियाल में लिया जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी के अनुसार, इस संबंध में 11 बिंदुओं वाला प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे समिति से मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे संसद के मुख्य सदन में पेश किया जाएगा, जहां से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून का रूप ले सकता है।

ईरान ने रूस के साथ बातचीत को बताया सकारात्मक : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि मौजूदा क्षेत्रीय हालात तेजी से बदल रहे हैं और ऐसे

समय में रूस के साथ हुई बातचीत बेहद सकारात्मक रही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हाल की घटनाएं यह दिखाती हैं कि ईरान और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। अराघची ने कहा कि दोनों देशों के संबंध आगे बढ़ रहे हैं और ईरान रूस के समर्थन को महत्व देता है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की होर्मुज को खोलने की अपील : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की अपील की है। सुरक्षा परिषद की बैठक में उन्होंने कहा कि जहाजों को बिना किसी टैक्स या भेदभाव के गुजरने देना चाहिए, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था सांस ले सके। मार्च से इस रास्ते के बंद होने से दुनिया के तेल, गैस और खाद की आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है। गुटेरेस ने चेतावनी दी कि इससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने इसे कोविड के बाद सबसे बड़ा आर्थिक झटका बताया और सभी पक्षों से बातचीत और संयम बरतने का आग्रह किया।

युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इस्राइली हमले जारी : इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हिजबुल्ला के रॉकेट और ड्रोन को देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि इस खतरे को खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी है। नेतन्याहू के मुताबिक, हिजबुल्ला के 122 एमएम रॉकेट और ड्रोन को रोकने के लिए तकनीक और सेना का इस्तेमाल करना होगा। सोमवार को इस्राइली सेना ने लेबनान की बेका घाटी और दक्षिणी इलाकों में हिजबुल्ला के 20 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए। इनमें हथियारों के गोदाम और रॉकेट लॉन्च पैड शामिल हैं। इन हमलों में चार लोगों के मारे जाने की खबर है। युद्धविराम के बावजूद इस्राइल का कहना है कि वह किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए हमला करने का अधिकार रखता है।

48 घंटों में तीसरी बार पाकिस्तान दौरे पर पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री अराघची : ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची मंगलवार को रूस से सीधे इस्लामाबाद पहुंचे। यह यात्रा अमेरिका के साथ संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से चल रहे राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है। प्रेस टीवी के अनुसार, पिछले 48 घंटों में यह उनकी पाकिस्तान की तीसरी यात्रा है।

अराघची की यह नवीनतम यात्रा रूस और ओमान सहित कई देशों में उच्च स्तरीय मुलाकातों की श्रृंखला के बाद हुई है। इससे पहले, अराघची ने सेंट पीटर्सबर्ग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता की, जहां द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। अराघची ने बताया कि पुतिन के साथ उनकी बैठक बहुत अच्छी रही। यह बातचीत डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक चली। इसमें अमेरिका और इस्राइल की आक्रामकता और युद्ध पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों और क्षेत्र के ताजा हालातों पर भी विचार साझा किए। अराघची ने कहा कि बैठक में सहयोग बढ़ाने के लिए कई अच्छे सुझाव सामने आए। यह मुलाकात अराघची के तीन देशों के राजनयिक दौरे का हिस्सा थी। रूस आने से पहले उन्होंने पाकिस्तान और ओमान की यात्रा भी की थी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)